बर्षः- 06
अंकः- 41
मुरादाबाद
(Monday)
01 June 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक
प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
मुरादाबाद से प्रकाशित
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम मोदी ने अहिल्याबाई होलकर को दी श्रद्धांजलि, कहा- उनका जीवन प्रेरणा का स्रोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर उन्हें श्रद्धांजलि दी है। पीएम मोदी ने कहा कि राष्ट्र उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और लोक कल्याण के प्रति समर्पण के लिए उन्हें गहरे सम्मान के साथ याद करता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को लोकमाता अहिल्याबाई होलकर की जयंती पर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री ने कहा कि पूरा देश उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जनकल्याण के प्रति उनके समर्पण के लिए उन्हें गहरे सम्मान

के साथ याद करता है। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।
नरेंद्र मोदी ने मालवा साम्राज्य की पूर्व शासिका अहिल्याबाई होलकर के जीवन को सुशासन, देशभक्ति और सांस्कृतिक गौरव का एक उत्कृष्ट उदाहरण बताया। उन्होंने कहा कि अहिल्याबाई ने हमेशा साहस और कर्तव्यनिष्ठा के साथ नेतृत्व किया। उनके द्वारा समाज और राष्ट्र निर्माण के लिए दिए गए योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता है।पीएम मोदी ने कहा, %लोकमाता अहिल्याबाई होलकर जी की जयंती पर उन्हें कोटि कोटि नमन। उनकी बुद्धिमत्ता, करुणा और जन कल्याण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए पूरा देश उन्हें गहरे सम्मान और प्रशंसा के साथ याद करता है।% अहिल्याबाई होलकर का योगदान अतुलनीय- पीएम मोदी प्रधानमंत्री ने कहा कि देशभर में पवित्र मंदिरों और तीर्थस्थलों के पुनर्निर्माण से लेकर सभी के लिए न्याय और कल्याण सुनिश्चित करने तक अहिल्याबाई होलकर का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक चेतना को और मजबूत करने का काम किया। समाज, संस्कृति और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनका समर्पण देश की हर पीढ़ी को प्रेरित करता रहेगा। कौन थीं अहिल्याबाई होलकर?- अहिल्याबाई होलकर का जन्म 31 मई 1725 को हुआ था और 13 अगस्त 1795 को उनका निधन हुआ। वह मालवा साम्राज्य की रानी थीं और उन्हें भारत की सबसे दूरदर्शी महिला शासकों में से एक माना जाता है। 18वीं शताब्दी में मालवा की महारानी के रूप में उन्होंने धर्म का संदेश फैलाने और औद्योगीकरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उनका सबसे महत्वपूर्ण योगदान साल 1780 में काशी विश्वनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार और मरम्मत कराना था। इसके अलावा उन्होंने देश के अलग अलग हिस्सों में कई धर्मशालाओं, घाटों और मंदिरों का निर्माण कराया था। उनके शासनकाल को शांति और न्याय के लिए जाना जाता है।

हमले के बाद कल्याण बनर्जी से मिलने पहुंचीं ममता, टीएमसी ने कहा- हमें चुप नहीं कराया जा सकता

टीएमसी नेता कल्याण बनर्जी पर हमला हुआ है। कल्याण बनर्जी हुगली में कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया। टीएमसी का दावा है कि प्रदर्शनकारियों ने कल्याण बनर्जी पर हमला किया। पश्चिम बंगाल में टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हुगली में हमला हुआ है। कल्याण बनर्जी आज टीएमसी कार्यकर्ताओं की रिहाई के लिए ज्ञापन देने गए थे। दावा किया गया है कि उसी दौरान उन पर हमला हुआ। गौरतलब है कि कल टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे अभिषेक बनर्जी के साथ धक्का मुक्की हुई और उनके कपड़े फाड़ दिए गए। इस दौरान उन पर अंडे फेंके गए और अभिषेक बनर्जी के खिलाफ नारेबाजी की गई।प्रदर्शनकारियों ने कल्याण बनर्जी के खिलाफ लगाए चोर-चोर के नारे- कल्याण बनर्जी रविवार को हुगली के चंडीतला पुलिस स्टेशन में एक प्रतिनिधिमंडल के साथ ज्ञापन देने पहुंचे थे। इस दौरान उनका विरोध शुरू हो गया और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें काले झंडे दिखाए और उनके खिलाफ नारेबाजी की। इस दौरान कथित तौर पर उन पर हमला किया गया। जिससे उनके सिर में चोट आने का दावा किया गया है। कल्याण बनर्जी के खिलाफ भी चोर-चोर के नारे लगाए गए। हमले के बाद कल्याण बनर्जी अपने समर्थकों के साथ धरने पर बैठ गए। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और हालात को नियंत्रित किया। कल्याण बनर्जी का आरोप, बोले- %मुझ पर जानलेवा हमला किया गया% हमले के बाद मीडिया से बात करते हुए कल्याण बनर्जी ने आरोप लगाया है कि चंडीतला थाना प्रभारी से मुलाकात करने और ज्ञापन सौंपने जाते समय उन पर हमला किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह घटना उनकी हत्या की कोशिश थी। बनर्जी ने कहा, चंडीतला थाने के प्रभारी अधिकारी से मिलने और ज्ञापन देने के लिए मैं कार से जा रहा था। चंडीतला बाजार में भारी ट्रैफिक जाम होने के कारण मैं अपने पीएसओ के साथ चंडीतला क्रॉसिंग पर पैदल चल रहा था, जो चंडीतला थाने से लगभग 50 किलोमीटर दूर है।%उन्होंने आरोप लगाया, %इसी दौरान भगवा कपड़े पहने 10-15 भाजपा समर्थकों ने अचानक नारेबाजी शुरू कर दी और तनावपूर्ण माहौल बना दिया। वे मुझे गालियां दे रहे थे, लेकिन मैं आगे बढ़ता रहा। तभी किसी ने मेरे सिर पर पत्थर फेंका।% उन्होंने कहा, %मैं सड़क पर गिर पड़ा। उस समय सीआरपीएफ के एक जवान ने मुझे बचाया, जिसके लिए मैं उनका आभारी हूं।% बनर्जी ने राज्य पुलिस की भूमिका पर भी सवाल उठाते हुए कहा, %पश्चिम बंगाल पुलिस पूरी तरह खामोश रही और मूकदर्शक बनी रही। उसने यह सब होने दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में बेहद गंभीर स्थिति बनी हुई है। यहां पूरी तरह से अराजकता का माहौल है। यह घटना मेरी हत्या की कोशिश थी।% कल्याण बनर्जी से मिलने पहुंचीं ममता बनर्जी पहुंचीं
टीएमसी सांसद कल्याण बनर्जी पर हमले के बाद पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी उनसे मिलने पहुंचीं।
पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि घटना की जानकारी मिलते ही पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी तुरंत कल्याण बनर्जी के आवास पहुंचीं और इस कठिन समय में उनके तथा उनके परिवार के साथ एकजुटता व्यक्त की। टीएमसी ने अपने बयान में कहा, जो लोग यह सोचते हैं कि हिंसा और डराने-धमकाने के जरिए हमें चुप कराया जा सकता है, उन्होंने इतिहास से कोई सबक नहीं लिया है। हर हमला सत्य और न्याय के लिए हमारी लड़ाई को और मजबूत करता है। पार्टी ने आगे कहा कि सच को दबाया नहीं जा सकता और न्याय से इनकार नहीं किया जा सकता। हम पीछे हटने वाले नहीं हैं।% अभिषेक बनर्जी पर भी भीड़ ने किया था हमला- इससे पहले रविवार को टीएमसी महासचिव और पार्टी सांसद अभिषेक बनर्जी पर भी हमला हुआ था। अभिषेक बनर्जी पर हमले के मामले में पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में चुनाव बाद हुई हिंसा के पीड़ितों से मिलने पहुंचे थे। मर सकते थे अभिषेक बनर्जी : टीएमसी सुप्रीमो ममता- वहीं, टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी ने भतीजे अभिषेक पर हुए हमले के खिलाफ रविवार को प्रदर्शन का एलान किया है। पूर्व मुख्यमंत्री ने इस हमले के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराया। हालांकि, सत्तारूढ़ दल ने इस आरोप से इनकार किया है। घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए ममता बनर्जी ने कहा, %मुझे बताया गया है कि अगर उनके सिर पर हेलमेट नहीं होता, तो उनकी मौत हो सकती थी। उन्होंने दावा किया कि पत्थरबाजी और मारपीट हमले के कारण अभिषेक को सीने और पसलियों में चोटें आईं। आरोप लगाया कि अभिषेक बनर्जी को चिकित्सा उपचार मिलने से रोकने की कोशिश की जा रही है।%राहुल गांधी ने किया मदद के लिए फोन : ममता बनर्जी वहीं, टीएमसी सुप्रीमो ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी की ओर से मदद की पेशकश का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने मुझे फोन करके अभिषेक के इलाज के लिए हैदराबाद या अन्य किसी भी जगह ले जाने की बात कही।

संक्षिप्त समाचार

लगातार हो रही बारिश, ऑरेंज अलर्ट जारी, केदारनाथ यात्रा अस्थायी रूप से रोकी

केदारनाथ धाम में लगातार कई दिनों से मौसम बिगड़ा हुआ है। ऐसे में बारिश को देखते हुए अभी यात्रियों को सुरक्षित स्थानों पर रोका गया है।मौसम विभाग ने रुद्रप्रयाग में भारी बारिश, आंधी-तूफान और प्रतिकूल मौसम की आशंका जताई है। मौसम को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है ऐसे में प्रशासन ने एहतियातन केदारनाथ यात्रा को अस्थायी रूप से रोक दिया है।जिला प्रशासन ने यात्रियों की सुरक्षा को देखते हुए निकटतम होल्डिंग स्थलों और सुरक्षित स्थानों पर रोकने के निर्देश जारी किए हैं। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि खराब मौसम और ऑरेंज अलर्ट के मद्देनजर यात्रा को फिलहाल रोका गया है।कहा कि पुलिस, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, डीडीआरएफ और अन्य राहत एजेंसियों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। मौसम सामान्य होते ही यात्रा को सुचारू किया जाएगा। उधर, जिलाधिकारी विशाल मिश्रा लगातार मौसम और यात्रा मार्गों की निगरानी कर रहे हैं। सोनप्रयाग, गौरीकुंड सहित संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि मौसम सामान्य होने तक किसी भी यात्री को आगे न जाने दिया जाए। वहीं कंट्रोल रूम से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से यात्रा मार्गों पर लगातार नजर रखी जा रही है।

लखनऊ में बनी देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के साथ सीएम रहे मौजूद

राजधानी को देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका की सौगात मिली। इस शौर्य वाटिका के लोकार्पण मौके पर विशेष तौर पर सीएम योगी और राजनाथ सिंह मौजूद रहे। राजधानी को देश की पहली नौसेना शौर्य वाटिका की सौगात मिली। गोमतीनगर विस्तार में 19 करोड़ की लागत से दो एकड़ से अधिक क्षेत्र में विकसित इस वाटिका का शनिवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि वाटिका युवाओं को जीवन में चुनौतियों से जूझने की प्रेरणा देगी। यहां आने वालों को भारतीय नौसेना के बारे में जानकारी मिलेगी। हमारे सैनिक किन सम-विषम परिस्थितियों में कार्य करते हैं, यह भी जानने का अवसर मिलेगा।बड़ी सोच से सकारात्मक परिणाम = योगी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि नौसेना का लक्ष्य उसकी विराट सोच का प्रतीक है। आकाश की ऊंचाइयां छूने के लिए बड़ी सोच चाहिए। जब सोच बड़ी होती है तो सकारात्मक परिणाम आता है, जो युवाओं को नई प्रेरणा प्रदान करता है।वाटिका एक जीवंत प्रेरणा= राजनाथ- रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि नौसेना शौर्य वाटिका केवल एक पर्यटन स्थल नहीं, बल्कि एक जीवंत प्रेरणा केंद्र है। यह आने वाली पीढ़ियों को बताएगी कि देश की स्वतंत्रता और सुरक्षा की वास्तविक कीमत क्या होती है।नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी ने कहा कि शौर्य वाटिका में उत्तर प्रदेश डिफेंस कॉरिडोर, युद्धक विमान और ब्रह्मोस मिसाइल जैसी महत्वपूर्ण उपलब्धियों की जानकारी भी प्रदर्शित की गई है। वाटिका में एके 726 नौसैनिक तोप और समुद्री गश्ती विमान हैं। दर्शक इस विमान की सवारी भी कर सकेंगे। सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों के लिए जेड आईएफ 101 प्रक्षेपक है। सतह से सतह पर मार करने वाली पोत-रोधी मिसाइलें भी हैं। जहाज का रडार, टॉरपीडो प्रक्षेपक और लंगर भी यहां मौजूद हैं। यहां यादगार वस्तुओं के अलावा एक भोजनालय और दुकानें भी शामिल हैं। आधुनिक प्रकाश व्यवस्था और ध्वनि प्रणाली भी है।

प्राइवेट स्कूलों को नोटिस बोर्ड पर लिखनी होगी ट्यूशन फीस, तय सीमा से ज्यादा वसूली पर मान्यता रद्द

तमिलनाडु सरकार ने निजी स्कूलों के लिए नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी लगाना अनिवार्य कर दिया है। ज्यादा फीस वसूलने वाले स्कूलों की मान्यता रद्द होगी। सरकार ने छिपी हुई फीस लेने पर भी रोक लगाई है।तमिलनाडु सरकार ने एक बड़ा फैसला लिया है। अब राज्य के सभी निजी स्कूलों को अपने नोटिस बोर्ड पर ट्यूशन फीस की जानकारी देना अनिवार्य होगा। यह फीस सरकार ने तय की है। स्कूल शिक्षा विभाग ने यह कदम उन शिकायतों के बाद उठाया है जिनमें कहा गया था कि कई स्कूल तय सीमा से

ज्यादा पैसे वसूल रहे हैं। विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने रविवार को बताया कि राज्य के सभी सरकारी और निजी स्कूल चार जून से खुल रहे हैं। अगर कोई भी निजी स्कूल तय राशि से ज्यादा फीस लेता है, तो उसकी मान्यता रद्द कर दी जाएगी। तमिलनाडु में इस समय 13,000 से ज्यादा मान्यता प्राप्त निजी स्कूल चल रहे हैं।
अधिकारियों ने स्कूलों को सख्त निर्देश दिए हैं कि वे माता-पिता से किसी भी तरह की छिपी हुई एडमिशन फीस न लें। यह नियम तमिलनाडु स्कूल (फीस संग्रह का विनियमन) संशोधन अधिनियम के तहत लागू किया गया है।
इस कानून के तहत उच्च अधिकारियों और शिक्षाविदों की एक कमेटी फीस का मानक तय करती है।अधिकारी ने यह भी कहा कि अगर माता-पिता को लगता है कि कोई स्कूल नियमों के खिलाफ जाकर बहुत ज्यादा फीस वसूल रहा है, तो वे संबंधित अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज करा सकते हैं। सरकार का उद्देश्य शिक्षा के नाम पर होने वाली अवैध वसूली को रोकना है।

संपादकीय Editorial

Ebola's 'Death Period'

We still feel the fear, stress, and dread of death caused by the COVID-19 pandemic, but the Ebola virus has created a new sense of "health terrorism." Ebola is no longer confined to Congo, Uganda, and South Sudan; 10 other African countries have been affected. Nearly 200 deaths have occurred in Congo alone. The total death toll is estimated to be around 250, and approximately 1,000 are suspected cases. These figures are official, not factual, as there is no data on how many of the suspected patients have recovered or how many have died. Even before this tragic situation, the World Health Organization had declared the Ebola virus and infection a "global health emergency." Fear, stress, and helplessness are also prevalent because Ebola remains incurable. There is no vaccine, pill, or capsule in the world that can cure Ebola. Expert doctors believe that the chances of death from this infection are 25-80 percent. Therefore, we consider the current era to be the "death period" for humanity. However, the Serum Institute, Pune, and Oxford University in the UK are jointly conducting experiments on an Ebola vaccine. They are confident that an effective vaccine will be available on the global market within the next six months. Serum Institute and Oxford University have mass-produced the COVID-19 vaccine, "Covishield," resulting in millions of patients recovering and ultimately eradicating COVID-19. Oxford invented the vaccine, but Serum Institute produced it globally. However, Russia now claims that its expert doctors and researchers are also working on an Ebola vaccine. An Ebola vaccine could be available on the market very soon! Most of the symptoms of the Ebola virus and infection appear to be similar. High fever, headache, body aches, skin rashes, vomiting, diarrhea, fatigue, extreme weakness, and sore throat are also early symptoms of the Ebola virus. Internal and external bleeding from the eyes, nose, ears, or urine is also a significant symptom. The infection is also spread by eating the meat of Ebola-infected animals (bats or monkeys). The infection is so severe that European countries, the United States, and India have been forced to declare and enforce a "high alert." Canada has temporarily suspended visa issuance. Although no cases of Ebola have been reported in India, special screening and monitoring are ongoing at airports. Isolation protocols have also been implemented for those with symptoms of infection. The Ebola virus has spread three times in African countries, resulting in over 11,000 deaths. This virus has been detected since 1976, yet countries can acquire and stockpile lethal, destructive weapons, yet research on an anti-Ebola vaccine has yet to reach conclusions. This is a tragic irony. The problem is that in countries like Congo, Uganda, and Sudan, healthcare infrastructure is extremely limited, leaving hospitals overwhelmed with Ebola-infected or suspected patients. There have been reports of patients fleeing hospitals because they lacked adequate, proper, and satisfactory treatment. It's worth noting that the Ebola virus isn't confined to a single organ; it weakens the body's immune system. Its primary targets are the liver, kidneys, lungs, and blood vessels. Meanwhile, Union Health Minister J.P. Nadda discussed the dangers of Ebola at a high-level meeting. The Indian government has issued advisories to avoid travel to African countries. If absolutely necessary, strictly adhere to health guidelines and regulations. If such precautions continue, the country will be able to avoid another pandemic. Most worryingly, there is currently no cure for this disease. Scientists must prioritize finding a cure. The central government must allocate a separate budget for this.

The Failure of the Entire System

At least in this case, it must be said, "Long live the media trial." It's clear that when all three pillars of the system fail, the fourth pillar emerges as a ray of hope. The failures of the police, administration, and judiciary were exposed. The intervention of the media moved the case in the right direction. Questions were raised about the disregard for dowry laws. The manner in which the Madhya Pradesh government, Bhopal police, and judicial officials handled the case of Twisha Sharma's death is a sign of the failure of all organs of the state system: the elected government, the police administration, and the subordinate judiciary. Had the media not intervened, the collusion between these organs would have completely destroyed citizens' trust in the entire system. Witnessing such a collapse of the system even after 80 years of independence is deeply shameful. The death of model-actress Twisha Sharma under suspicious circumstances has raised many questions. For example, despite her death on May 12th, the police did not even register an FIR until May 15th. Twisha's mother-in-law, Giribala Singh, is a retired judge, and her husband, Samarth Singh, is a lawyer. While the FIR was delayed, Giribala Singh not only easily obtained anticipatory bail but also was given unrestricted access to the crime scene. It's good that the High Court rejected her bail and the CBI arrested her, but before that, she had the freedom to examine all the evidence at her own convenience. She also made phone calls to various officials in the police and judicial system, including the Lokayukta, a DG-rank police officer, and a district judge. It's rare to recall another instance where a judge has granted such free rein to a potential accused in a case to tamper with evidence. Samarth Singh also went underground for nearly ten days. When the issue gained traction in the media, the Chief Minister agreed to meet Twisha's family, and the case was handed over to the CBI for investigation. However, this only happened until May 25th. The state even agreed to a second post-mortem, but only on May 24th, 12 days after the death. The police's laxity in this entire case and the anticipatory bail granted to the mother-in-law should shock the conscience of anyone familiar with the intricacies of cruelty against women in in-laws' homes and the Dowry Prohibition Act. Section 117 of the Indian Evidence Act (BSA) (formerly Section 113A of the Indian Evidence Act) clearly states, "When a question arises in relation to the suicide of a woman within seven years of her marriage as to whether her suicide was the result of provocation or cruelty by her husband or any of his relatives, the Court may, after taking all the circumstances into account, presume that the suicide was the result of provocation by her husband or any of his relatives." Section 118 of the Indian Evidence Act is even more clear and effective. According to it, "When the question is whether a person has committed the murder of a woman for dowry and, immediately before her death, such woman was subjected to cruelty or harassment by that person for or in connection with any demand for dowry, the court shall be bound to hold that the same person is responsible for the dowry murder." The increasing number of dowry deaths in the country led Parliament to amend the law and make it more stringent in the 1980s. Section 85 of the newly enacted Indian Penal Code also provides for imprisonment of up to three years for a husband or a relative of a husband who subjects a woman to cruelty. Similarly, Section 86 defines "cruelty." According to it, "cruelty" means any intentional conduct which (a) is likely to drive a woman to suicide or is likely to cause serious injury or danger to the life, limb, or health (whether mental or physical) of the woman, and (b) includes harassment of a woman for dowry. If a woman dies under suspicious circumstances within seven years of marriage due to dowry harassment, such cases carry a minimum sentence of seven years in prison, which can extend to life imprisonment. In this case, the mother-in-law, Giribala Singh, presented herself as suspicious through public statements, accusing Twisha of drug abuse, undergoing treatment for mental illness, and failing to get along with her family. This raises questions about whether the police were unaware of the relevant aspects of the law passed by Parliament. Were those who granted Giribala Singh anticipatory bail aware of these provisions? The Supreme Court's observation in this regard is also disappointing, asking the media not to attempt to create a narrative. In a way, it urged the media to refrain from a media trial, but it did not comment on former judge Giribala Singh, the Bhopal police, or Twisha's lawyer husband, Samarth Singh, who was missing for ten days. It is a good thing that Solicitor General Tushar Mehta certainly praised the media for its intervention in moving the case in the right direction. Taken as a whole, this case is a stark example of the failure of the entire system and enough to silence those who complain about media trials. Had the media not raised this issue, it's possible the case would have been resolved before it could reach any conclusion. Would the Supreme Court have been able to take action if the details hadn't been revealed through the media? Would we have been able to detect the shameful cover-up? At least in this case, we must say, "Long live the media trial." Clearly, when all three pillars of the system begin to disappoint, the fourth pillar emerges as a ray of hope.

The Three-Language Formula Returning to Track

It's surprising that they don't consider teaching two or three foreign languages ??an additional burden on their children, but they are ready to take to the streets in the name of learning their mother tongue and Indian languages. This is unfair. The government must not yield under any circumstances. Compulsory study of two Indian languages ??in the ninth grade. An important implementation step of the National Education Policy-2020. Promoting linguistic unity and reducing the emphasis on foreign languages. The recent decision by the CBSE and the central government to make the study of two Indian languages ??compulsory in the ninth grade is commendable. This is the next step in the implementation of the National Education Policy-2020. According to the new CBSE order, starting July 1st, three languages ??will be taught in the ninth grade, two of which will be mandatory Indian languages. If the first language is English, the second language will be Hindi or the mother tongue, and schools can choose any language from the Eighth Schedule of the Constitution as the third language. The aim is to move towards a multilingual society, which is also the reality of this country. The spirit of the three-language formula proposed by the Kothari Commission in the 1960s was that children from North India should learn a South Indian language, and children from South India should learn North Indian Hindi in addition to their mother tongue. However, due to political interests, this was misrepresented as Hindi imposition. North India's education policy also suffered from a shortcoming: instead of learning a Southern language, it made do with Sanskrit as a third language. It is hoped that North India will not make such a mistake again. This is why South India continues to protest, asking why the Southern states should also learn Hindi if North India doesn't teach any of its languages. Therefore, the three-language formula failed to achieve its objective. Now, under the government's new, well-thought-out policy, it appears to be succeeding. Currently, in North India, especially in most public schools, not a single Indian language is taught in the ninth grade. Some of these schools even lack a Hindi section in the 12th grade, while, in addition to English, students have the option of studying foreign languages ??such as German, French, Japanese, and Spanish. It's a blessing that Hindi is still available in government schools, but most science students aren't studying Hindi in the 11th grade, or rather, it's not being taught. These expensive private schools and parents are the ones most opposed to the new language policy order. They complain that if it was to be implemented this semester, why wasn't it implemented on April 1st? They should know that the academic session does begin in April, but education across the country begins on July 1st, so the delay is baseless. Their second allegation is that they have purchased textbooks in French and German, and children have been studying these languages ??for years. Now, requiring them to study more Indian languages ??will put an additional burden on their children. This will affect their 10th grade results. This complaint is also childish. They simply need to say that they've been learning English since birth. German and French never feel like an extra burden to them, but why do they feel burdened by their mother tongue or other Indian languages? Do children learn German and other Indian languages ??voluntarily? No. This is a burden imposed on them by parents and schools. Is our Constitution wrong, which calls for the promotion of Hindi and all regional languages, and for providing administration and education in them? The government has suggested the right path for the third language: there will be no board exams, a very light curriculum, and internal evaluation. The objective is clear: for people in North India to learn the languages ??of the South, and for those in the South to learn those of North India. This will eliminate the conflict between Hindi in the South and the languages ??of North India, and will certainly promote linguistic unity. Today, countries like Europe, America, China, and Japan are developed because their education and administration are conducted in their own languages, not in English or other foreign languages. Which third language should be chosen? It would be best to avoid the same mistake of Sanskrit. Schools and administration should choose the language with the children's consent. Punjabi and Marathi are languages ??of the Devanagari family. Children will certainly have to put in some effort, but don't the southern states have to put in the same effort to learn Hindi? Therefore, this should be implemented without delay. The sky is open for those who want their children to learn foreign languages ??other than English. If possible, schools should teach them without exams or make other arrangements. Schools don't teach everything. We can find thousands of people around us who have learned foreign languages ??to suit their needs for jobs and businesses. Therefore, parents' accusations against the government, their criticisms, or their appeals to the Supreme Court are in no way justified. It's surprising that they don't consider learning two or three foreign languages ??an additional burden on their children, but are ready to take to the streets in the name of learning their mother tongue and Indian languages. This is unfair. The government should not yield under any circumstances.

बहुत परेशान किया है, तेरा हिसाब ऊपर होगा, कलमा पढ़ा और..., फोन में वीडियो भी बनाया; फिर कर ली खुदकुशी

यूपी के मुरादाबाद में एक मैकेनिक ने आत्महत्या कर ली। पुलिस को उसके मोबाइल से वीडियो मिला है। वीडियो में उसने कहा कि तूने बहुत परेशान किया है। तेरा हिसाब ऊपर होगा। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मुरादाबाद के कुंदरकी थाना इलाके के चकफाजलपुर निवासी मैकेनिक फरहत अली (20) ने अपने पिता की लाइसेंसी बंदूक से सिर में गोली मारकर आत्महत्या कर ली। गोली मारने से पहले से फरहत अली ने अंदर से कमरा बंद लिया और वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

वीडियो में किसी के लिए कहा कि तूने बहुत परेशान किया है। तेरा हिसाब ऊपर होगा और इतना कहकर गोली मार ली। गोली की आवाज सुनी तो परिजन खिड़की तोड़कर कमरे में घुसे। वीडियो चलता मिला लेकिन फरहत दम तोड़ चुका था। पुलिस ने मोबाइल और बंदूक कब्जे में ले ली है।कुंदरकी थाना क्षेत्र के चकफाजलपुर सरताज का बेटा फरहत पंजाब में एक कंपनी में काम करता था। बकरीद से चार दिन पहले वह घर आया था। परिवार के लोगों ने बताया कि आठ दिन बाद फरहत की बहन आसिया की शादी है। परिवार शादी की तैयारियों में जुटा था।शनिवार की रात करीब साढ़े 11 बजे आत्मघाती कदम उठाने से पहले फरहत अली ने लाइव वीडियो भी बनाया। जिसमें कह रहा है कि तूने मुझे और मेरे परिवार को बहुत परेशान किया। इसका हिसाब ऊपर होगा... और कलमा पढ़ने के बाद खुद को गोली मार ली।कमरे में एक बच्ची की आवाज भी आ रही थी। पुलिस ने शव को कब्जे में लिया है। सीओ अशोक कुमार ने घटना स्थल का मुआयना किया है। साथ ही फॉरेंसिक टीम ने साक्ष्य जुटने के लिए घटना स्थल से फुटेज लिए हैं।इसके बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि आत्महत्या के कारण के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। उसके मोबाइल से वीडियो चलता मिला है। जांच की जा रही है।ईद के त्योहार पर पंजाब से लौटा था फरत अली

मृतक फरत अली से पेशे से लिफ्टिंग गेट बनाने का कार्य करता था। वह पंजाब से ईद का त्योहार बनाने के लिए घर को लौटा था लेकिन घर में ऐसी क्या वजह से हुई और या फिर किसी ओर से वजह से उसको आत्मघाती कदम उठाने को मजबूर कर दिया जिसके बावत पुलिस देर रात में छानबीन में जुटी नजर आई ताकि वास्तविकता सामने आ सके। पुलिस ने आत्महत्या में प्रयुक्त लाईसेंसी बंदूक को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।आठ दिन बाद फरत की बहन की होनी है शादी- आत्मघाती कदम उठाने वाले फरत अली की बहन आसिया की आठ दिन बाद में शादी होनी है जिसको लेकर परिजन तैयारियां में जुटे थे लेकिन आकस्मिक घटना ने पूरे परिवार को झकझोर कर रख दिया है। वहीं शादी की तैयारियां को भी ग्रहण लग गया है और परिजन गम से बेहाल हो उठे हैं।छह भाई बहनों में सबसे छोटा था फरत अली- मृतक फरत अली से अपने छह भाई बहन में सबसे छोटा था। बेटे की लहूलुहान शव देखकर उसकी मां फिरदौस और पिता सरताज गम से बेहाल नजर आए जिनको सगे सम्बंधी संभालते नजर आए। वहीं शव को देखने के लिए घर पर लोगों की भारी भीड़ जुटी रही है।

यूपी में डिप्टी एसपी की मौत: दिल्ली लखनऊ हाईवे पर दर्दनाक हादसा, कंटेनर में घुसी बाइक, एनआईए के अफसर की गई जान

यूपी के मुरादाबाद में दर्दनाक हादसा हुआ है। दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर एक बाइक आगे चल रहे कंटेनर में घुस गई। हादसे में एनआईए के डिप्टी एसपी की मौत हो गई। हादसे में जयपुर की महिला पूनम घायल हो गई। ईशान मेहरा बाजपुर में दोस्त के घर जा रहे थे।मुरादाबाद 11:30 बजे आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से बाइक घुस गई। हादसे में सवार जयपुर की महिला पूनम घायल हो गई।हादसे के समय दोनों दिल्ली सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि पंजाब के महोली निवासी को दफ्तर की छुट्टी होने के कारण शुक्रवार की रात ईशान अपनी मित्र पूनम लखनऊ दिल्ली हाईवे पर देवापुर गांव के सामने से गुजर रही थी। इसी हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को ईशान को मृत घोषित कर दिया। जबकि महिला को भर्ती कर उपचार शुरू

के कटघर थाना इलाके में दिल्ली-लखनऊ हाईवे पर बड़ा हादसा हुआ है। शुक्रवार की रात बाइक सवार एनआईए के डिप्टी एसपी ईशान मेहरा (32) की मौत हो गई। बाइक पर से बाजपुर जा रहे थे। पुलिस ने महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया है। एसपी ईशान मेहरा दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी के पद पर तैनात थे। शनिवार और रविवार के साथ बाइक से बाजपुर जा रहे थे।रात करीब साढ़े 11 बजे इनकी बाइक कटघर क्षेत्र में दौरान आगे चल रहे कंटेनर में पीछे से बाइक घुस गई। हादसे में ईशान और पूनम घायल जिला अस्पताल भिजवाया।दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी थे ईशान- डॉक्टरों ने कर दिया। हादसे की जानकारी मिलने पर एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह भी जिला अस्पताल पहुंच गए। उन्होंने घायल महिला से पूछताछ की तो पता चला कि हादसे में जान गंवाने वाले ईशान दिल्ली में एनआईए में डिप्टी एसपी थे। पोस्टमार्टम के बाद शव परिवार को सौंपा- हादसे की जानकारी मिलने पर ईशान की मां पूनम मेहरा और भाई राघव समेत अन्य लोग मुरादाबाद पहुंच गए। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर चले गए। एसपी सिटी कुमार रण विजय सिंह ने बताया कि जिस कंटेनर में बाइक पीछे से घुसी थी। उस वाहन का चालक मौके से वाहन लेकर भाग गया था। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से उसकी तलाश की जा रही है।

मुरादाबाद में एक्सपायर्ड मैंगो जूस का खेल: 265 पेटी बोतलें सीज, खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई से खलबली

मुरादाबाद में खाद्य सुरक्षा विभाग ने लालूवाला स्थित एक गोदाम से लगभग पांच लाख रुपये का 265 पेटी एक्सपायर्ड मैंगो जूस जब्त किया। विभाग ने स्टॉक सीज कर दिया है और संबंधित कारोबारी के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की तैयारी कर रहा है।गर्मी के मौसम में लोग राहत पाने के लिए कोल्ड ड्रिंक और पैक्ड मैंगो जूस का खूब सेवन कर रहे हैं, लेकिन अब इन्हें खरीदते समय सावधानी बरतने की जरूरत है।

खासकर उत्पाद की एक्सपायरी डेट अवश्य जांच लें। भोजपुर क्षेत्र के लालूवाला में खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने कार्रवाई करते हुए 265 पेटी दो लीटर वाली एक्सपायर्ड मैंगो जूस की बोतलें बरामद की हैं। इसकी कीमत लगभग पांच लाख रुपये बताई गई है।

विभागीय छापेमारी से कारोबारियों में अफरा-तफरी मच गई है। टीम ने उसी गोदाम में सभी पेटी को सीज कर दिया है। विभाग की ओर से नोटिस जारी होगा। फिर प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

भोजपुर के लालूवाला स्थित गोदाम पर खाद्य सुरक्षा विभाग का छापा

मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्रबहादुर यादव के नेतृत्व में विभागीय टीम ने शनिवार को लालूवाला स्थित एक गोदाम पर छापा मारा। जांच के दौरान गोदाम में बड़ी मात्रा में रखी दो लीटर वाली मैंगो जूस की बोतलों की पड़ताल की गई। टीम को इनमें से 265 पेटी जूस की बोतलें एक्सपायरी डेट पार होने के बावजूद भंडारित मिलीं। आशंका जताई जा रही है कि इन बोतलों को बाजार में खपाने की तैयारी की जा रही थी।दुकानदार को नोटिस जारी होगा- खाद्य सुरक्षा विभाग ने कार्रवाई करते हुए पूरे स्टाक को सीज कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह गोदाम शकील नामक कारोबारी का बताया जा रहा है। छापामारी के दौरान टीम ने मौके से आवश्यक अभिलेख भी कब्जे में लिए हैं और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।जांच के बाद दर्ज कराई जाएगी प्राथमिकी, बोतलें सीज- मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्रबहादुर यादव ने बताया कि उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक्सपायर्ड खाद्य पदार्थों की बिक्री गंभीर अपराध की श्रेणी में आती है। मामले में संबंधित दुकानदार को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के तहत नोटिस जारी किया जाएगा। नियमानुसार जवाब मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जांच रिपोर्ट और अन्य साक्ष्य के आधार पर संबंधित के खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज कराई जाएगी।विभाग की कार्रवाई से मची खलबली- विभाग की इस कार्रवाई के बाद क्षेत्र के खाद्य कारोबारियों में खलबली मच गई है। वहीं अधिकारियों ने आम लोगों से अपील की है कि कोई भी खाद्य पदार्थ खरीदने से पहले उसकी निर्माण तिथि और एक्सपायरी डेट अवश्य जांच लें, ताकि स्वास्थ्य संबंधी जोखिमों से बचा जा सके।

बायोमीट्रिक जांच के बीच 26 केंद्रों पर सहायक आचार्य, नौ केंद्रों पर B.Ed परीक्षा शुरू

मुरादाबाद में रविवार को सहायक आचार्य भर्ती और बीएड संयुक्त प्रवेश परीक्षा कड़ी सुरक्षा के बीच शुरू हुई। इन परीक्षाओं में हजारों अभ्यर्थी शामिल हुए, जहां बायोमेट्रिक जांच और सीसीटीवी निगरानी जैसे पुख्ता इंतजाम किए गए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच सहायक आचार्य भर्ती परीक्षा हुई, जिसमें 11,271 अभ्यर्थी परीक्षा सुबह 9:00 बजे से की जा रही है, जिसमें 4,180 से पहले सभी केंद्रों पर गई।बायोमेट्रिक जांच के बीच बीएड परीक्षा शुरू बायोमीट्रिक ही प्रवेश दिया गया। मोबाइल अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान केंद्रों सुबह से ही परीक्षा केंद्रों के व्यवस्थापकों और पर्यवेक्षकों कक्षों में बैठाया गया। सभी केंद्रों रही है तथा पुलिस बल की

थे।रविवार को दो बड़ी प्रतियोगी परीक्षाएं शुरू हो गईं। राजकीय महाविद्यालयों में 26 परीक्षा केंद्रों पर सुबह 9:30 बजे शुरू शामिल हो रहे हैं। वहीं बीएड संयुक्त प्रवेश 12:00 बजे तक नौ केंद्रों पर आयोजित अभ्यर्थी परीक्षा दे रहे हैं। परीक्षा शुरू होने अभ्यर्थियों की सघन तलाशी ली 26 केंद्रों पर सहायक आचार्य, नौ केंद्रों पर सत्यापन और पहचान पत्र की जांच के बाद फोन, स्मार्ट वॉच, ब्लूटूथ डिवाइस समेत के बाहर निर्धारित स्थानों पर रखवाए गए। बाहर परीक्षार्थियों की भीड़ नजर आई।केंद्र की निगरानी में अभ्यर्थियों को निर्धारित पर सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा तैनाती की गई है।

संक्षिप्त समाचार

जनपद में 23 सड़कों पर 1.67 करोड़ खर्च करेगा ग्रामीण अभियंत्रण विभाग

रामपुर। ग्रामीण अभियंत्रण विभाग ने जिले के विभिन्न गांवों में संपर्क मार्ग, सीसी सड़क, नाली और सुरक्षा दीवार निर्माण के लिए 23 कार्यों की सूची जारी कर दी है। इन कार्यों पर करीब 1.67 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। टेंडर प्रक्रिया पूरी होने के बाद तीन माह के भीतर निर्माण कार्य पूरे कराने का लक्ष्य रखा गया है।आरईएस के अधिशासी अभियंता की ओर से जारी सूची के अनुसार चार ब्लॉक में 23 कार्य कराए जाएंगे। इसमें सड़क निर्माण, सुरक्षा दीवार और नाली के काम होंगे। डीएम ने बताया कि तीन महीने के अंदर इन कामों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। कहा कि शासन की मंशा संपर्क मार्ग और जलनिकासी व्यवस्था प्रशासन की प्राथमिकता है। जिन कार्यों की सूची जारी की गई हैं, उन्हें गुणवत्ता मानकों के अनुरूप समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा।गांवों में होने वाले निर्माण कार्य की लागत सूची- गांव का नाम---कार्य-- लागत - कोटा अलीनगर-- खडंजा व नाली निर्माण-- 9.38 लाख - मिर्जा नूरपुर-- शमशान शैड व मार्ग निर्माण-- 5.57 लाख - टाहकला-- सीसी रोड-- 9.99 लाख - मुस्तफाबाद-- सीसी रोड व नाली-- 4.90 लाख - कुम्हरिया कला-- सीसी रोड व नाली-- 9.97 लाख - तालबपुर का मझरा-- सीसी रोड व नाली--8.40 लाख - चमरौआ-- सीसी रोड, दीवार व नाली--7.91 लाख - कोयला-- सीसी रोड, नाली--5.16 लाख - लालपुर कला-- सीसी रोड व नाली-- 7.16 लाख - ईश्वरपुर-- सीसी रोड व नाली-- 3.90 लाख - मुतियापुरा-- सीसी रोड व सुरक्षा दीवार -- 9.99 लाख - मनकपुर बंजरिया-- सीसी व नाली-- 3.60 लाख - चौधरपुर-- सीसी रोड व दीवार निर्माण-- 9.95 लाख - बैजना-- सीसी रोड-- 9.99 लाख - बगरौआ-- सीसी रोड व नाली -- 4.95 लाख - बगरौआ-- सीसी रोड व नाली--4.38 - जटपुरा-- सीसी रोड व नाली-- 5.94 लाख- भटपुरा, सीसी रोड व नाली निर्माण-- 3.55 लाख - काशीपुर-- सीसी रोड व नाली निर्माण-- 8.51 लाख - बैजना-- सीसी रोड व नाली निर्माण-- 7.30 लाख - नानकारैन-- सीसी रोड व दीवार निर्माण-- 9.99 लाख - परचई-- सीसी रोड-- 6.61 लाख - सींगनी-- सीसी रोड व दीवार निर्माण-- 9.99 लाख नोट- निर्माण कार्य की लागत लगभग में है।

इलेक्ट्रॉनिक के सामान की कीमतों में आया उछाल

रामपुर। शहर के बाजार में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दामों में उछाल आ गया है। पिछले तीन महीनों के भीतर 20 प्रतिशत तक दाम बढ़ गए हैं। खासकर ईयर बट्स और पावर बैंक ज्यादा महंगे हैं। इसके अलावा अन्य चीजों के दाम भी बढ़ गए हैं। कीमतों से आए इस उछाल से लोगों की जेब पर अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।जिस तरह से चीजें जरूरतें बन रही हैं, उस तरह से बाजार की कीमतों में उछाल देखने को मिल रहा है। रोजमर्रा में जिन इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्रयोग तेजी से हो रहा है। उनकी कीमतों में 20 प्रतिशत तक दामों में बढ़ोतरी कर दी गई है। शौकत अली सड़क, सिविल लाइन और शहर के अंदर की गलियों में लगने वाले बाजार में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दामों पर खास असर पड़ा है।इन तीन महीनों के भीतर जिस तरह से इन उपकरणों की डिमांड बढ़ी है, उससे दुकानदारों ने भी दाम बढ़ा दिए हैं। कारोबारियों का कहना है कि तीन महीने पहले जिन उत्पादों की बिक्री अधिक थी। अब उनकी बिक्री कम हो रही है। तीन महीने पहले 500 रुपये में मिलने वाले ईयर बट्स अब 650 रुपये तक मिल रहे हैं। फास्ट चार्जिंग अडॉप्टर और ब्रांडेड एक्सेसरीज उत्पादों की कीमतों में भी बढ़ोतरी हुई है। डाटा केबिल और पावर बैंक भी महंगे हो गए हैं। सिविल लाइन स्थित दुकानदार अकरम बताते हैं कि चीन व अन्य बाहरी देशों से आने वाले आइटम में दामों में बढ़ोतरी हुई है। कंपनियों की तरफ से महंगे हुए उपकरणों का सीधा असर खुदरा बाजार पर भी पड़ा है, जिससे यह आइटम महंगे हुए हैं।सामान तीन माह पहले अब- डाटा केबिल 50 75 बट्स 500 650 ईयरफोन 150 200 पावर बैंक 1000 1300 इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दाम बढ़ने की वजह से बिक्री पर असर पड़ा है। जिन चीजों के बिना लोगों का काम नहीं चल रहा था, अब महंगाई की वजह से नहीं ले रहे हैं। जबकि पहले ईयर बट्स हर इंसान चला रहा था। ऐसे में अब ग्राहक सामान सस्ता और लोकल ज्यादा खरीदने लगा है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली से मिली नई पहचान, सम्मान के साथ पूरी हुई IPS अंजना दहिया की प्रशिक्षण यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। पुलिस परिवार के लिए आज का दिन भावुक और गौरवपूर्ण रहा। जनपद बरेली में जनपदीय व्यवहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही प्रशिक्षु आईपीएस अधिकारी सुश्री अंजना दहिया ने अपना प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया।

पुलिस कार्यालय बरेली में आयोजित एक गरिमामय विदाई समारोह में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक अनुराग आर्य ने सुश्री अंजना दहिया को पुष्पगुच्छ एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उनके उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की तथा उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर एसएसपी अनुराग आर्य ने कहा कि प्रशिक्षण के दौरान प्राप्त अनुभव, ज्ञान और व्यवहारिक दक्षता भविष्य में उनके पुलिस जीवन की मजबूत नींव साबित होगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि अंजना दहिया अपनी कर्तव्यनिष्ठा, नेतृत्व क्षमता और समर्पण भाव से पुलिस सेवा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का कार्य करेंगी।समारोह में जनपद के सभी पुलिस अधीक्षक में एसपी सिटी मानुष पारीक, एसपी ट्रैफिक मोहम्मद अकमल खां एसपी नॉर्थ मुकेश मिश्र , एसपी साउथ अंशिका वर्मा, एडिशनल एसपी सोनाली मिश्रा, क्षेत्राधिकारी एवं अन्य वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने सुश्री अंजना दहिया को उनके आगामी दायित्वों और सफल सेवाकाल के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पहले से तैयार होता था बच्चों की किडनैपिंग का मास्टरप्लान, गिरोह के हर सदस्य की तय थी जिम्मेदारी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बच्चों की तस्करी करने वाले इस गिरोह के हर सदस्य की अलग-अलग जिम्मेदारी थी और बच्चों के अपहरण से लेकर उनकी खरीद-फरोख्त तक का पूरा नेटवर्क सुनियोजित तरीके से संचालित किया जा रहा था। फर्जी क्लीनिक चलाता था आरोपी- योगेश और पवन का काम बच्चों को अगवा कर गिरोह तक पहुंचाना था। उत्तम बाजपेयी दलाल और बिचौलिये की भूमिका निभा रहा था। संजय बच्चों का सप्लायर था और उसने भी बच्चों को उत्तम बाजपेयी तक पहुंचाया था। वहीं मंजेश, जो पिछले करीब 10 वर्षों से लखीमपुर खीरी में एक फर्जी क्लीनिक चला रहा था। उसने भी एक बच्चे को गिरोह के माध्यम से बेचने के लिए उपलब्ध कराया था। खरीदारों के संपर्क में रहती थी नर्स नर्स सीता बच्चों को खरीदारों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी निभाती थी। पुलिस के अनुसार सीता अब तक दो बच्चों को करीब पांच-पांच लाख रुपये में बेच चुकी थी। एसपी साउथ अंशिका वर्मा ने बताया कि सभी आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर के तहत कार्यवाही की जाएगी। इसमें अभी कुछ और भी लोगों के नाम सामने आ सकते है। पुलिस गहनता से पूरे मामले की जांच कर रही है। पुलिस यह भी पता कर रही है की जिन लोगों ने बच्चों को खरीदा है वह कौन है। उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

मजदूरी के बहाने ले गए, घायल युवक को खेत में छोड़ भागे

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने खुलासा कर, दो आरोपियों को किया गिरफ्तार बरेली। थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने युवक की मौत के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में सामने आया कि राजेश नामक युवक को मजदूरी का भुगतान दिलाने के बहाने साथ ले जाया गया था। तीनों ने शराब पी और स्कूटी से लौटते समय हादसे का शिकार हो गए। दुर्घटना में राजेश गंभीर रूप से घायल हो गया। आरोपियों ने उसे अस्पताल ले जाने के बजाय ग्राम उनासी के पास एक खेत में छोड़ दिया और परिजनों को भी सूचना नहीं दी। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने निमेन्द्र उर्फ नरेन्द्र और राजीव उर्फ राजवीर मौर्य को गिरफ्तार कर लिया। दोनों के खिलाफ थाना फतेहगंज पश्चिमी में मुकदमा दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

105 यूनिट रक्तदान: रोटरी क्लब का सेवा महाअभियान, सैकड़ों जीवन बचाने की पहल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। रोटरी क्लब ऑफ बरेली साउथ द्वारा आईएमए ब्लड बैंक में आयोजित विशाल सेवा, समर्पण और मानवता बन गया। शिविर में 105 किया गया। कार्यक्रम का वन एवं पर्यावरण मंत्री डॉ. कैंट विधायक संजीव अग्रवाल अवसर पर मंत्री डॉ. अरुण रक्तदान जरूरतमंद मरीजों के सेवा है, जबकि विधायक रक्तदाताओं को समाज का बताया। क्लब अध्यक्ष संजीव सचिव संजय गर्ग ने बताया तीन लोगों का जीवन बचाने सकता है। कम्युनिटी सर्विस बूबना ने आयोजन की

रक्तदान शिविर का प्रेरक उदाहरण यूनिट रक्त संग्रहित उद्घाटन प्रदेश के अरुण कुमार एवं ने किया। इस कुमार ने कहा कि लिए जीवनदायिनी संजीव अग्रवाल ने सच्चा नायक खंडेलवाल और कि एक यूनिट रक्त में सहायक हो डायरेक्टर राजीव सफलता का श्रेय क्लब के पदाधिकारियों, सदस्यों एवं स्वयंसेवकों को दिया। राकेश धीरवानी, शिशिर पांडे, दिनेश प्रधान, रोहित जिंदल सहित अनेक रोटेरियनों के सहयोग से आयोजित यह शिविर समाज सेवा के क्षेत्र में एक उल्लेखनीय उपलब्धि साबित हुआ।

1280 अग्निवीर बने देश के प्रहरी, जाट रेजिमेंटल सेंटर में गूंजी वीरता की कदमताल

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। जाट रेजिमेंटल सेंटर में रविवार सुबह अग्निवीर बैच 07/25 की भव्य पासिंग आउट परेड का आयोजन किया गया। यह परेड 1280 अग्निवीरों के कठोर और सफल सैन्य प्रशिक्षण के समापन का प्रतीक बनी। परेड के दौरान युवा रंगरूटों ने अनुशासन, आत्मविश्वास और सैन्य कौशल का शानदार प्रदर्शन कर सभी का मन मोह लिया। महीनों की मेहनत से बने अग्निवीर- कई महीनों के कठिन प्रशिक्षण के बाद अग्निवीरों ने कदमताल, ड्रिल और सैन्य अनुशासन की उत्कृष्ट मिसाल पेश की। परेड में उनकी एकरूपता, सटीकता और जोश ने उपस्थित अधिकारियों, अभिभावकों और अतिथियों को प्रभावित किया। समारोह के दौरान यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि युवा भर्ती अब प्रशिक्षित और युद्धक सैनिकों के रूप में तैयार हो चुके हैं। अभिभावकों में दिखा उत्साह- इस अवसर पर करीब 3185 अभिभावक और अतिथि भी मौजूद रहे। उन्होंने अपने बेटों और परिजनों को भारतीय सेना का हिस्सा बनते हुए गर्व और उत्साह के साथ देखा। परेड स्थल पर भावनात्मक और गौरवपूर्ण माहौल देखने को मिला। कई अभिभावकों ने इसे अपने जीवन का यादगार क्षण बताया। राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण भाव- समारोह के दौरान पूरा जाट रेजिमेंटल सेंटर देशभक्ति और राष्ट्रीय गौरव की भावना से ओत-प्रोत नजर आया। सैन्य परंपराओं के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम ने युवाओं में राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पण और कर्तव्य भावना को भी प्रदर्शित किया। अग्निवीर देशसेवा को तैयार परेड का समापन नवप्रशिक्षित अग्निवीरों द्वारा राष्ट्र की रक्षा और सेवा के लिए सम्मान, साहस तथा समर्पण के संकल्प के साथ हुआ। इसके साथ ही 1280 अग्निवीर भारतीय सेना में अपनी नई जिम्मेदारियों के लिए तैयार हो गए।

हजरत मोती मियां निजामी का सालाना उर्स 3 जून से

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । रामपुर रोड स्थित आनंद विहार कॉलोनी गेट पर स्थित दरगाह हजरत मुर्तजा हुसैन निजामी नियाजी रहमतुल्ला अलैह (मोती मियां) एवं हजरत गैस अली कोड़ा शाहा बाबा के सालाना उर्स-ए-पाक का आयोजन 3 जून से 5 जून तक किया जाएगा। उर्स के पोस्टर का विमोचन करते हुए आयोजकों ने कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। खानकाह-ए-निजामिया के गद्दीनशीन हजरत पाशा मियां निजामी की सरपरस्ती में आयोजित होने वाले इस उर्स की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सिविल लाइंस स्थित प्रसाद टॉकीज के निकट सेंट्रल पैलेस मैरिज हॉल में आयोजित प्रेस वार्ता में मीडिया प्रभारी वसी अहमद वारसी ने बताया कि उर्स में जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में जायरीन और अकीदतमंद शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि 3 जून को सुबह 10 बजे गुस्ल शरीफ के साथ उर्स का शुभारंभ होगा। दिनभर दरगाह पर चादरपोशी का सिलसिला चलेगा। शाम 5=30 बजे महफिल-ए-समा का आयोजन होगा, जबकि राग शरीफ के नजराने के बाद शाम 6=30 बजे हजरत मोती मियां निजामी के कुल शरीफ की फातिहा होगी।

4 जून को फज्र की नमाज के बाद कुरानखानी, गुस्ल शरीफ और सन्दल पेश किया जाएगा। शाम 5=30 बजे महफिल-ए-समा आयोजित होगी तथा रंग शरीफ के बाद शाम 6=30 बजे हजरत गैस अली कोड़ा शाहा बाबा के कुल शरीफ की फातिहा अदा की जाएगी। उर्स के अंतिम दिन 5 जून को फज्र की नमाज के बाद कुरानखानी होगी। दिनभर चादरपोशी और गुलपोशी का सिलसिला जारी रहेगा। गद्दीनशीन हजरत पाशा मियां निजामी मुरीदों और अकीदतमंदों को सरकार गौसे आजम के तबर्रुकात की जियारत कराएंगे। आयोजन को सफल बनाने के लिए निजामी सेवा ट्रस्ट कमेटी का गठन कर विभिन्न जिम्मेदारियां सौंप दी गई हैं। प्रेस वार्ता में वसी अहमद वारसी, शादाब कुरैशी, रिजवान नियाजी, खुसरो निजामी, शाजेब अली खान, इब्राहिम निजामी, मोहम्मद कासिम कुरैशी, सैयद आरिफ अली, कामरान हुसैन, अली मियां, फैजान मोइन चिश्ती, असीम नियाजी, अनस नियाजी, अमान हुसैन, फिरोज नियाजी, फैजी निजामी, शाम्मू खान सहित बड़ी संख्या में अकीदतमंद और कमेटी पदाधिकारी उपस्थित रहे।

लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर के आदर्शों पर चलने का लिया संकल्प , कांग्रेस ने मनाई जयंती

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली । महानगर कांग्रेस कमेटी ने महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा के नेतृत्व में धर्मकांटा स्थित पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कार्यालय पर लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई।

कार्यक्रम में उनके चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। महानगर अध्यक्ष दिनेश दद्दा ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर एक महान शिवभक्त, समाज सुधारक और जनकल्याणकारी शासक थीं। उन्होंने देशभर के अनेक मंदिरों, घाटों और धार्मिक स्थलों के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

उनके आदर्श आज भी समाज को प्रेरित करते हैं। पूर्व विधायक मास्टर छोटेलाल गंगवार ने कहा कि अहिल्याबाई होल्कर ने महिला शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के लिए उल्लेखनीय कार्य किए। उनका जीवन सेवा, समर्पण और मानवता का प्रतीक है। राजा राम साहू ने कहा कि लोकमाता के बताए मार्ग पर चलकर ही उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि दी जा सकती है। कार्यक्रम का संचालन कांग्रेस प्रवक्ता पंडित राज शर्मा ने किया। इस अवसर पर रमेश चंद्र श्रीवास्तव, प्रवीण मिश्रा, जीशान अफरीदी, डॉ. हरीश गंगवार, तीरथ मधुकर, अनिल देव शर्मा, एम.एच. खान, शाकिर सकलेनी, सैयद अली बुखारी, महेंद्र पाल गंगवार सहित अनेक कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

आंधी के कहर में दो महिलाओं की मौत, एक पर गिरा बिजली का खंभा , दूसरी तेज हवा में छत से गिरी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ बरेली। बीती शाम आई आंधी ने कहर बरपाया। आंधी के दौरान जिले के अलग-अलग जगहों पर हुई घटनाओं में दो महिलाओं की मौत हो गई।

हाफिजगंज में बाइक सवार दंपती पर बिजली का खंभा गिर गया, जिससे दंपती घायल हो गए। इस हादसे में घायल महिला ने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। उधर, बिथरी इलाके में आंधी के दौरान एक महिला मकान की दूसरी मंजिल से नीचे गिर गई, जिससे उसकी मौत हो गई। बाइक पर गिरा बिजली का खंभा, महिला की मौत - हाफिजगंज इलाके में आंधी की वजह से बिजली का खंभा गिरने से सुमन लता (35 वर्ष) की मौत हो गई। मिलक बमनपुरी निवासी मानसिंह ने बताया कि वह शनिवार शाम पत्नी को दवा दिलाकर घर जा रहे थे। इसी दौरान आंधी चलने लगी। गांव के पास मोड़ पर बिजली का खंभा बाइक पर पीछे बैठी सुमन पर गिर गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। मानसिंह को मामूली चोट आई। शव लेकर थाने पहुंचे परिजन - घायल सुमन को तुरंत नवाबगंज ले जाया गया। हालत गंभीर होने पर उन्हें बरेली रेफर किया गया, जहां देर रात सुमन ने दम तोड़ दिया। रविवार सुबह सुमन का शव लेकर थाने पहुंच गए। उन्होंने विद्युत निगम के कर्मचारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया। मानसिंह ने बताया कि मोड़ पर कई दिनों से खंभा तिरछा था। इसकी शिकायत की, लेकिन जिम्मेदारों ने ध्यान नहीं दिया। आंधी के दौरान ये खंभा गिर गया और सुमन की जान चली गई। मृतका के पति ने जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग की है। आंधी में दो मंजिल से नीचे गिरकर महिला की मौत- बिथरी चैनपुर में शनिवार शाम तेज आंधी के कारण एक महिला की छत से गिरकर मौत हो गई। वह 26 फुट ऊंचाई की दूसरी मंजिल से काफी दूर पक्के फर्श पर गिरीं। 30 वर्षीय सुनीता सात साल के बेटे के साथ मायके में भाई राधेश्याम के घर पर रह रही थीं। राधेश्याम ने बताया कि सुनीता की शादी शाहजहांपुर जिले के खुदागंज में हुई थी। उनके पति ने उन्हें कई साल पहले छोड़ दिया था। शनिवार शाम खाना खाने के बाद सुनीता दूसरी मंजिल पर सोने चली गई थीं। इसी दौरान तेज आंधी आ गई, जिससे वह घबरा गईं। छत से नीचे उतरने के लिए वह जीने की ओर भागीं। इससे पहले ही वह आंधी की चपेट में आकर गिर गईं और उसकी जान चली गई।

आरपी डिग्री कालेज में हुई गोष्ठी

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ मीरगंज। राजेंद्र प्रसाद डिग्री कॉलेज में रविवार के विश्व पर्यावरण दिवस की कड़ी में एनएसएस ने छात्र-छात्राओं ने विचार गोष्ठी की। प्राचार्य प्रो. एसके सिंह ने कहाकि पर्यावरण संरक्षण प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। गोष्ठी में छात्रों ने बढ़ते प्रदूषण, जल संरक्षण, पौधारोपण तथा प्लास्टिक के कम उपयोग आदि पर चर्चा कर पर्यावरण को सुरक्षित रखने के उपाय सुझाए। कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यक्रम अधिकारी डा. बी. के. प्रधान ने किया। प्रो विजय बहादुर बिष्ट, वीरेंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

स्मैक तस्कर को बचाने की कीमत पड़ी भारी, महिला लेखपाल सस्पेंड

क्यूँ न लिखूँ सच / पं सत्यमशर्मा/ तस्कर के पक्ष में दी रिपोर्ट, कानूनगो पर भी लटकी कार्रवाई की तलवार बरेली । फरीदपुर में स्मैक तस्कर की करोड़ों की कोठी को बचाने के प्रयास में महिला लेखपाल प्राची शर्मा पर गाज गिर गई। जांच में सरकारी जमीन पर कब्जे की बात छिपाकर तस्कर के पक्ष में रिपोर्ट देने के आरोप में उन्हें निलंबित कर दिया गया है। बताया गया कि कानूनगो और लेखपाल ने रिपोर्ट में सरकारी जमीन को खाली दिखाया था, जबकि एसडीएम रामजनम यादव के निर्देश पर हुई दोबारा जांच में करीब 300 वर्ग मीटर सरकारी जमीन पर कब्जा पाया गया। इसके बाद लेखपाल को तत्काल निलंबित कर दिया गया, जबकि कानूनगो अरविंद कुमार सक्सेना के खिलाफ कार्रवाई के लिए रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी गई है। प्रशासन की इस कार्रवाई से तहसील महकमे में हड़कंप मचा हुआ है।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत निरीक्षण एवं मकानीकरण कार्य का व्यापक अभियान जारी

क्यूँ न लिखूँ सच / जनपद में जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत तैयारियों को गति प्रदान करने हेतु जिलाधिकारी ज्ञानेंद्र सिंह के निर्देशानुसार अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व)/ जिला जनगणना अधिकारी,सिटी मजिस्ट्रेट,सभी उप जिलाधिकारी (एसडीएम), चार्ज अधिकारी एवं नोडल अधिकारियों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स (HLB) का व्यापक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान जनगणना संबंधी व्यवस्थाओं, अभिलेखों एवं प्रगति की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।
इस अवसर पर प्रगणकों एवं सुपरवाइजरों द्वारा मकानीकरण (House Listing and Housing Census) का कार्य भी निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार किया गया। अधिकारियों ने क्षेत्र भ्रमण कर मकानीकरण कार्य की गुणवत्ता, शुद्धता एवं समयबद्धता का सत्यापन किया तथा संबंधित कार्मिकों को जनगणना कार्य को पूरी गंभीरता एवं उत्तरदायित्व के साथ संपादित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया है कि जनगणना 2027 के प्रथम चरण के अंतर्गत सभी गतिविधियां निर्धारित समयसीमा के भीतर पूर्ण की जाएं तथा प्रत्येक स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, जिसके सफल संपादन हेतु सभी अधिकारी एवं कर्मचारी समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने कहा कि जनपद प्रशासन द्वारा जनगणना 2027 के कार्यों की सतत समीक्षा की जा रही है, जिससे अभियान को प्रभावी एवं सफल बनाया जा सके।

बीएड प्रवेश परीक्षा केंद्रों का डीएम-एसपी ने किया औचक निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत । जनपद में आयोजित बीएड प्रवेश परीक्षा को सकुशल एवं निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह एवं पुलिस अधीक्षक सुकीर्ति माधव ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।
जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक ने ड्रमंड इंटर कॉलेज, सनातन धर्म बांके बिहारी राम इंटर कॉलेज, राजकीय बालिका इंटर कॉलेज तथा उपाधि महाविद्यालय का निरीक्षण किया।
इस दौरान परीक्षा कक्षों, पेयजल, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक सुविधाओं की स्थिति देखी गई। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कक्ष निरीक्षकों एवं स्टैटिक मजिस्ट्रेटों को निर्देश दिए कि परीक्षा के दौरान नियमित रूप से कक्षों का भ्रमण करते रहें और किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है तथा किसी भी समस्या की सूचना तत्काल उच्चाधिकारियों को दी जाए।
प्रशासन की सक्रिय निगरानी में जनपद के सभी परीक्षा केंद्रों पर बीएड प्रवेश परीक्षा शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित माहौल में संपन्न हुई। निरीक्षण के दौरान स्टैटिक मजिस्ट्रेट, केंद्र व्यवस्थापक एवं अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

ममता बनर्जी पर अस्पताल के CEO को धमकाने का आरोप, BJP नेता ने साझा किया वीडियो

भाजपा नेता देबजीत सरकार ने एक वीडियो साझा कर आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने अपने भतीजे के इलाज को लेकर एक निजी अस्पताल पर दबाव बनाया। दूसरी ओर, ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि अस्पतालों ने प्रशासनिक हस्तक्षेप के कारण अभिषेक सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है। उनका दावा है अभिषेक बनर्जी को अस्पताल में भर्ती कराने के लिए कोलकाता धमकाती हुई दिखाई और सुनाई दे रही हैं।देबजीत सरकार ने उन्होंने आरोप लगाया कि मेडिकल रिपोर्ट में कोई गंभीर चोट दबाव बना रही थीं।भाजपा नेता बोले- जनता के भरोसे को के दुरुपयोग की चिंताजनक कोशिश है। अस्पतालों का काम के अनुसार। डॉक्टरों, प्रशासकों या स्वास्थ्य संस्थानों को डराने-सुशासन के मूल सिद्धांतों का उल्लंघन है।अभिषेक बनर्जी पर हुआ अभिषेक बनर्जी दक्षिण 24 परगना जिले के सोनारपुर में एक पार्टी

को उचित चिकित्सा सुविधा नहीं दीपश्चिम बंगाल भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता देबजीत सरकार ने कि इस वीडियो में तृणमूल कांग्रेस प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी अपने भतीजे के मिंटो पार्क स्थित एक निजी अस्पताल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) को अपने सोशल मीडिया पोस्ट में अस्पताल द्वारा जारी मेडिकल प्रमाणपत्र का भी हवाला दिया। नहीं मिलने के बावजूद ममता बनर्जी अस्पताल प्रबंधन पर अभिषेक बनर्जी को भर्ती करने का कमजोर कर रहीं- उन्होंने अपने पोस्ट में कहा, यह राजनीतिक मकसद से चिकित्सा संस्थानों मरीजों का इलाज उनकी चिकित्सीय जरूरत के आधार पर करना है, न कि राजनीतिक सुविधा धमकाने की कोई भी कोशिश जनता के भरोसे को कमजोर करती है और लोकतंत्र तथा था हमला- दरअसल, शनिवार दोपहर तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और लोकसभा सांसद कार्यकर्ता के परिजनों से मिलने गए थे। बताया गया कि वह कार्यकर्ता चुनाव बाद हुई हिंसा का शिकार हुआ था। इस दौरान स्थानीय लोगों के एक समूह ने अभिषेक बनर्जी का विरोध किया, जिसमें कई महिलाएं भी शामिल थीं। आरोप है कि उनके साथ धक्का-मुक्की और अभद्र व्यवहार भी किया गया। ममता बनर्जी ने लगाया था भतीजे के उचित इलाज न होने का आरोप- इसके बाद सुरक्षा बलों ने उन्हें वहां से सुरक्षित निकाला और पहले ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन बाइपास के पास स्थित एक निजी अस्पताल ले जाया गया। हालांकि, ममता बनर्जी भी वहां पहुंच गईं और आरोप लगाया कि अस्पताल उनके भतीजे का उचित इलाज नहीं कर रहा है। इसके बाद अभिषेक बनर्जी को कोलकाता के मिंटो पार्क स्थित दूसरे निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्हें जांच के लिए आईटीयू में रखा गया। डॉक्टर बोले- भर्ती करने की जरूरत नहीं- अस्पताल में विस्तृत जांच के बाद डॉक्टरों ने कहा कि उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं है और भर्ती की जरूरत नहीं का मेडिकल प्रमाणपत्र जारी कर दिया। आईएएनएस के पास मौजूद प्रमाणपत्र के अनुसार, अभिषेक बनर्जी को कोई गंभीर आंतरिक चोट नहीं मिली थी और वह पूरी तरह होश में थे। इसलिए उन्हें भर्ती करने की आवश्यकता नहीं समझी गई। डॉक्टरों ने कुछ दवाइयां लेने की सलाह दी। ममता ने जताई नाराजगी-जब ममता बनर्जी को यह जानकारी मिली तो उन्होंने नाराजगी जताई। अस्पताल से बाहर निकलते समय उन्होंने आरोप लगाया कि ईस्टर्न मेट्रोपॉलिटन बाइपास और मिंटो पार्क, दोनों अस्पतालों ने प्रशासनिक दबाव के कारण अभिषेक बनर्जी को भर्ती करने और उचित इलाज देने से इनकार किया।उन्होंने पत्रकारों से कहा, दूसरे अस्पताल के मामले में कोलकाता पुलिस के एक डिप्टी कमिश्नर की ओर से दबाव था कि अभिषेक को भर्ती न किया जाए। पहले उन्होंने फर्जीवाड़े और गुंडागर्दी से चुनाव जीता, फिर अभिषेक पर हमला कराया और अब यह सुनिश्चित करने के लिए दबाव बनाया गया कि उनका सही इलाज न हो सके।

अच्छी आदतों का नशा, शुद्ध खाना, अच्छा संग करने से ही व्यसन बुराइयों से बच सकते हैं- ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी

क्यूँ न लिखूँ सच / हाकमसिंह रघुवंशी /विदिशा - प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय ए-33 मुखर्जी नगर सेवा केंद्र द्वारा विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर नगर पालिका के सामने विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें ब्रह्माकुमारी रेखा दीदी ने अपने विचार रखते हुए कहा कि इसका आरंभ सन 1987 में विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) द्वारा किया गया था। इसका उद्देश्य तंबाकू के उपयोग से होने वाले स्वास्थ्य नुकसानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना एवं तंबाकू सेवन को रोकने के उपाय को प्रोत्साहित करना है। आज की नई पीढ़ी को, युवाओं को और बच्चों को तंबाकू से होने वाले नुकसान से अवगत कराना है। देखा गया है कि अधिकतर बच्चे अपने साथियों के बहकावे में आकर ही नशे की ओर कदम बढ़ाते हैं साथ ही साथ अपने घर परिवार में बड़ों को भी वह देखकर सीखते हैं। यदि वह थोड़ी हिम्मत जुटा पाए तो उनका जीवन गर्त में जाने से बच सकता है एवं उज्जवल भविष्य की ओर वे अपने कदम बढ़ा सकते हैं। ब्रह्माकुमारी रुक्मणी दीदी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हर किसी को कुछ अच्छी आदतों का नशा करना चाहिए जैसे पढ़ाई का नशा, अच्छे कार्यों का नशा,स्वस्थ रहने का नशा..अपने जीवन में अपने कार्य को इतना सर्वोपरि बना दें कि उसके आगे और कोई नशा करने की आवश्यकता ही न पड़े। ईश्वरीय नशा, नारायणी नशा, अच्छी आदतों का नशा हमें सभी प्रकार के गलत नशे से मुक्त बना सकता है। राजयोग हमारे आंतरिक मनोबल को बढ़ाता है जिसके फल स्वरूप हम इन

व्यसनों से सहज ही मुक्ति पा लेते हैं। आपको ज्ञात हो कि राजयोग का अभ्यास करने वाले 97त्न लोगों ने हमेशा के लिए तंबाकू का सेवन छोड़ दिया। केवल 3त्न लोग ही अज्ञात कारणों से नहीं छोड़ पाते हैं। यदि शुद्ध खाना पीना,अच्छा संग एवं श्रेष्ठ वातावरण का कोई अनुसरण करे तो वो हमेशा के लिए व्यसनों से छूट सकता है। देखा गया है कि अधिकतर लोगों को यह ज्ञान तो है की सही क्या है और गलत क्या है, क्या खाना चाहिए क्या नहीं खाना चाहिए, क्या करना चाहिए क्या नहीं करना चाहिए परंतु सब कुछ जानते समझते हुए भी कहीं ना कहीं आत्म बल एवं दृढ़ इच्छाशक्ति की कमी के कारण वह सही मार्ग पर चल नहीं पाता। वह उस नकारात्मकता से स्वयं को बचा नहीं पाता। अत: आवश्यकता है अपने मनोबल को बढ़ाकर स्वयं को और अधिक सशक्त बनाने की। इसके लिए सबसे कारगर उपाय है सहज राजयोग ध्यान। महिला पुलिस थाना प्रभारी उर्मिला यादव ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि छोटे-छोटे बच्चों में भी गुटखा एवं तंबाकू सेवन की आदत देखने में आ रही है। तथा कैंसर आदि बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। जिसका दोषी आज की सरकार और समाज है क्योंकि यह जहर बहुत ही सहज रूप से उपलब्ध है हर जगह बहुत ही सस्ते दामों पर उपलब्ध है। नशा मुक्ति के क्षेत्र में संस्थान द्वारा की जा रही सेवाओं के विषय में सभी को अवगत कराया। साथ ही आपने यह भी अवगत कराया कि किस प्रकार भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा ब्रह्माकुमारी संस्थान के साथ स्ब्ह हुआ। तब से लेकर संस्थान द्वारा व्यापक रूप से नशा मुक्ति की सेवाएं दी जा रही है। डॉक्टर सुमत जैन, सब इंस्पेक्टर मेघा शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी आरके कुलश्रेष्ठ ने अपने विचारों में कार्यक्रम की सराहना करते हुए कहा कि व्यक्ति को स्वयं पर ध्यान देना जरूरी है कोई भी आदत बड़ी नहीं होती हम धीरे-धीरे प्रयास करते हैं तो गलत आदत छूट जाती है सभी से नशा, व्यसन, बुराइयां छोड़ने की अपील की। कार्यक्रम के आरंभ में एक नुक्कड़ नाटक द्वारा सभी प्रकार के व्यसनों से होने वाले नुकसान से बहुत ही रोचक तरीके से सभी को अवगत कराया गया। सभी ने इस नाटक को बहुत-बहुत सराहा एवं प्रेरणा ली। राजयोग ध्यान के द्वारा सब सभी को ध्यान एवं परमात्म स्मृति की गहन अनुभूति कराई गई।

संक्षिप्त समाचार

रोजगार योजना में फर्जी हाजिरी का खेल! श्रमिक कम, रिकॉर्ड में ज्यादा; सरकारी धन के बंदरबांट के आरोप

क्यूँ न लिखूँ सच / पीलीभीत। जनपद की ग्राम पंचायतों में विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) योजना के तहत चल रहे कार्यों में बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़े के आरोप सामने आए हैं। आरोप है कि कार्यस्थलों पर वास्तविक श्रमिकों की संख्या कम होने के बावजूद ऑनलाइन उपस्थिति और मस्टर रोल में अधिक श्रमिक दर्शाकर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि कई स्थानों पर केवल औपचारिक रूप से श्रमिकों को कार्यस्थल पर बुलाकर फेस मैपिंग के जरिए हाजिरी दर्ज कराई जाती है, जबकि अभिलेखों में कहीं अधिक संख्या में मजदूरों की उपस्थिति दिखाई जाती है। इससे योजना की पारदर्शिता पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक जिले के विभिन्न विकासखंडों की अनेक ग्राम पंचायतों में यह खेल लंबे समय से जारी है। आरोप है कि जिम्मेदार अधिकारियों की अनदेखी और मौन चुप्पी के कारण रोजगार सेवकों एवं संबंधित कर्मचारियों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कार्यस्थलों का औचक निरीक्षण कर उपस्थिति रजिस्टर, फेस मैपिंग रिकॉर्ड और मजदूरी भुगतान का सत्यापन कराया जाए तो बड़े घोटाले का खुलासा हो सकता है। ग्रामीणों ने मामले की उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि गरीबों को रोजगार उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित योजना में यदि फर्जीवाड़ा हो रहा है तो यह सरकारी धन और जनहित दोनों के साथ खिलवाड़ है।

माध्यमिक शिक्षा में 33 हजार से अधिक शिक्षकों की हुई नियुक्ति, प्रधानाचार्य सहित इन पदों पर हुई भर्ती

यूपी में अप्रैल 2017 के बाद चयन कर विद्यालयों में शिक्षकों की कमी को पूरा किया गया है। इस दौरान 27297 टीजीटी, 5321 प्रवक्ता और 783 प्रधानाचार्यों की भर्ती हुई।उत्तर प्रदेश सरकार ने माध्यमिक शिक्षा में लंबे समय से चली आ रही शिक्षकों की कमी को दूर किया है। 2017 से पहले माध्यमिक शिक्षा में भर्ती प्रक्रिया लगभग ठप होने से शिक्षकों के काफी पद खाली थे। 2017 में प्रदेश सरकार ने भर्ती प्रक्रिया को मिशन मोड में आगे बढ़ाया। 33401 पदों पर शिक्षकों की तैनाती कर शिक्षकों की कमी दूर की।उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन बोर्ड के अनुसार अप्रैल 2017 से वर्ष 2022 तक प्रधानाचार्यों के 783, प्रवक्ता के 5321 तथा प्रशिक्षित स्नातक शिक्षक (टीजीटी) के 27297 पदों पर चयन प्रक्रिया पूरी की गई। इस प्रकार कुल 33401 पदों पर भर्ती की गई है।पूर्व में भर्ती प्रक्रिया प्रभावित रहने से माध्यमिक विद्यालयों में विषय विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी एक बड़ी चुनौती बनी थी। सरकार ने शिक्षा सुधार को एजेंडे का हिस्सा बनाते हुए खाली पदों को भरने के लिए ठोस कदम उठाए।शिक्षा सुधार के लिए कई योजनाएं
प्रदेश में प्रोजेक्ट अलंकार, स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब, विज्ञान एवं कंप्यूटर प्रयोगशालाओं के सुदृढ़ीकरण, डिजिटल शिक्षा और नकलविहीन परीक्षा प्रणाली जैसी पहल से माध्यमिक शिक्षा में व्यापक बदलाव हुए हैं।

कफ सिरप तस्करी : शुभम और साथियों को भारत लाने की प्रक्रिया तेज, यूएई सरकार को भेजी गई अरेस्ट अर्जी

कफ सिरप तस्करी के तीन आरोपी दुबई में हैं। यूपी एसटीएफ ने विदेश मंत्रालय के जरिये यूएई सरकार को अरेस्ट अर्जी भेजी है। अर्जी स्वीकार होने के बाद ही गिरफ्तारी का रास्ता साफ होगा।
कफ सिरप तस्करी गिरोह के फरार आरोपी शुभम जायसवाल और उसके दो साथियों को भारत लाने की प्रक्रिया तेज हो गई है। यूपी एसटीएफ ने विदेश मंत्रालय के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात सरकार को उनकी संशोधित प्रोविजनल अरेस्ट (अस्थायी गिरफ्तारी) की अर्जी भेजी है। अर्जी स्वीकार होने पर यूएई की एजेंसियां आरोपियों को हिरासत में ले सकेंगी।इससे उनके प्रत्यर्पण या निर्वासन की प्रक्रिया आसान हो जाएगी। सूत्रों के अनुसार, एसटीएफ ने करीब एक माह पहले इंटरपोल की नोडल एजेंसी सीबीआई को प्रारंभिक अर्जी भेजी थी। उसमें कुछ तकनीकी कमियां थीं, जिन्हें दूर कर अब संशोधित प्रस्ताव भेजा गया है।शुभम जायसवाल, गौरव जायसवाल और वरुण सिंह के खिलाफ इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस पहले ही जारी हो चुका है। तीनों के पासपोर्ट भी निरस्त कराए जा चुके हैं।
ये तीनों वर्तमान में दुबई में छिपकर रह रहे हैं। यूएई सरकार द्वारा अर्जी स्वीकार होने के बाद उनकी गिरफ्तारी का रास्ता साफ होगा। अधिकारियों का मानना है कि शुभम की गिरफ्तारी से इस गिरोह के संचालन के कई अहम राज खुलेंगे। 9 के खिलाफ दाखिल हो चुके हैं आरोप पत्र- एसटीएफ और एफएसडीए ने 2025 में कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया था। इस मामले में 30 से अधिक आरोपियों को जेल भेजा गया था। एसटीएफ ने नौ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र भी दाखिल किया है। शुभम और उसके दो अन्य साथी इस मामले के मुख्य आरोपी हैं, जो दुबई में हैं। इनकी गिरफ्तारी के प्रयास लगातार जारी हैं।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
01 June 2026

गांव भवंरखोह में पक्की सड़क निर्माण का पूजा अर्चना कर कार्य को प्रारम्भ

क्यूँ न लिखूँ सच /ओड़गी- कैबिनेट मंत्री व क्षेत्रीय विधायिका लक्ष्मी राजवाड़े के प्रयास से प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना अन्तर्गत गांव भवंरखोह में पक्की सड़क निर्माण कार्य की सौगात मिली है। जो आनंदपुर से होते हुए भवंरखोह सेमरखाड़ मार्ग को जोड़ेगा। जिसकी कुल लम्बाई 4.65 किलोमीटर है।

जो लगभग 4 करोड़ 93 लाख की लागत से बनेगा। जिसका वर्जुअल भूमिपूजन प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय कर चुके हैं।

इसी क्रम में आज ग्राम पंचायत भवंरखोह में पूजा अर्चना कर सड़क निर्माण कार्य को प्रारंभ कराया गया। इस सड़क निर्माण से पंडों जनजाति वाले क्षेत्रों को आवागमन को आसान बनाकर रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, और बाज़ार तक पहुंच सुनिश्चित करेंगी। इसके लिए क्षेत्रीय विधायिका व प्रदेश के मुखिया का ग्रामीणों ने आभार जताया है। इस मौके पर भाजपा युवा मोर्चा मंडल महामंत्री प्रियांशु यादव, सरपंच रामप्रसाद, दिलीप, समेत भारी संख्या में आम जनता उपस्थित रहें।

3 साल से बंद पड़ा BISN मोबाइल टॉवर, डिजिटल इंडिया के दावे पर उठे सवाल

जेल्हा गांव के ग्रामीण नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा से वंचित, शासन-प्रशासन से कार्रवाई की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच /सूरजपुर जिले के ओड़गी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कैलाशनगर के आश्रित ग्राम जेल्हा में लगभग तीन वर्ष पूर्व स्थापित किया गया क्क्षुस्ह मोबाइल टॉवर आज तक चालू नहीं हो सका है। करोड़ों रुपये खर्च कर लगाए गए इस टॉवर से ग्रामीणों को मोबाइल नेटवर्क और इंटरनेट सुविधा मिलने की उम्मीद थी, लेकिन वर्षों बीत जाने के बाद भी गांव के लोग संचार सुविधाओं से वंचित हैं।

ग्रामीणों का कहना है कि केंद्र सरकार द्वारा डिजिटल इंडिया अभियान के तहत गांव-गांव तक इंटरनेट और मोबाइल कनेक्टिविटी पहुंचाने के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन जेल्हा गांव की हकीकत इससे बिल्कुल अलग है। टॉवर स्थापित होने के बावजूद आज तक इसमें नेटवर्क सेवा शुरू नहीं की गई, जिससे ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

गांव के लोगों को मोबाइल नेटवर्क के लिए कई किलोमीटर दूर जाना पड़ता है। इंटरनेट सुविधा नहीं होने के कारण विद्यार्थियों की ऑनलाइन पढ़ाई, सरकारी योजनाओं की ऑनलाइन प्रक्रिया, बैंकिंग कार्य, आधार अपडेट, राशन संबंधी कार्य तथा अन्य डिजिटल सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। वहीं आपातकालीन स्थिति में स्वास्थ्य सेवाओं और एंबुलेंस से संपर्क करने में भी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ग्रामीणों का आरोप है कि टॉवर केवल शोपीस बनकर रह गया है और संबंधित विभाग इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

देशभर में ग्रामीण क्षेत्रों तक मोबाइल नेटवर्क पहुंचाने और डिजिटल कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए केंद्र एवं राज्य सरकारें लगातार योजनाएं चला रही हैं, लेकिन कई दूरस्थ इलाकों में टॉवर लगने के बाद भी सेवाएं शुरू नहीं होने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

ग्रामीणों ने जिला प्रशासन, दूरसंचार विभाग तथा संबंधित कंपनी से मांग की है कि जल्द से जल्द टॉवर को चालू कर गांव में मोबाइल नेटवर्क एवं इंटरनेट सुविधा उपलब्ध कराई जाए, ताकि ग्रामीण भी डिजिटल सेवाओं का लाभ उठा सकें और डिजिटल इंडिया का सपना धरातल पर साकार हो सके।

ग्रामीणों का सवाल है कि जब टॉवर का निर्माण तीन वर्ष पहले पूरा हो चुका है, तो आखिर अब तक सेवा शुरू क्यों नहीं की गई? यह सवाल अब शासन और संबंधित एजेंसियों की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न खड़ा कर रहा है।

सरस्वती विद्यालय देवसर में ग्रीष्मकालीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग जारी, 3 जून तक चलेगा आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच / मानस मिश्रा /महाकौशल वनांचल शिक्षा सेवा न्यास द्वारा संचालित ग्रीष्मकालीन आचार्य प्रशिक्षण सरस्वती जनजाति संस्कार केंद्र का सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय देवसर में आचार्य दीदी शिक्षक वर्ग चल रहा है प्रशिक्षण वर्ग में शिक्षकों के द्वारा जनजाति आचार्य को केंद्र संचालित करने के लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है

जिसमें प्रांत से माननीय राजेंद्र प्रसाद जी मिश्र प्रांत समन्वयक, सिंगरौली जिला से जिला समन्वयक रामदयाल सिंह एवं शहडोल जिला से शोभा सिंह परस्ते जी, जिसमें विभिन्न स्थानों से आचार्य दीदी प्रशिक्षण लेने आए हुए हैं पूर्ण मनोयोग से प्रशिक्षण ले रहे हैं यह प्रशिक्षण दिनांक 27 मई 2026 से लेकर 03 जून 2026 तक चलेगा अचार प्रशिक्षण वर्ग में विषय शिक्षण में हिन्दी गणित पर्यावरण शारीरिक शिक्षण योग शिक्षण ऐसा विषय संगीत शिक्षण ऐसे अनेक गतिविधियां कराई जा रही है जिसमें सभी आचार्य दीदी जी श्रद्धापूर्वक प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन प्राप्त कर रहे हैं

गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान के जंगलों में भीषण आग, सैकड़ों हेक्टेयर वन क्षेत्र जलकर खाक

क्यूँ न लिखूँ सच / सूरजपुर। जिले के चांदनी बिहारपुर स्थित गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र में इन दिनों भीषण आगजनी की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। पिछले सप्ताह बैजन पाठ से लूल्ह क्षेत्र तक लगभग सैकड़ों हेक्टेयर जंगल आग की चपेट में आकर जल चुका था, वहीं आज एक बार फिर लुल्ह क्षेत्र के जंगलों में भीषण आग लग गई है। आग की लपटों से पूरा जंगल धधक रहा है और छोटे-बड़े पौधे जलकर खाक हो रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों के अनुसार जंगल में लगी आग तेजी से फैलती जा रही है,

लेकिन जिम्मेदार वन विभाग और गुरु घासीदास राष्ट्रीय उद्यान पार्क परिक्षेत्र के अधिकारियों द्वारा अब तक कोई ठोस पहल नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार जंगल जलने के बावजूद अधिकारी मामले को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जंगल में लगी आग के कारण वन्य जीवों पर भी बड़ा संकट मंडरा रहा है। आग से बचने के लिए जंगली जानवर इधर-उधर भागते नजर आ रहे हैं। कई छोटे जीव-जंतु और वनस्पतियां आग की चपेट में आकर नष्ट हो रही हैं। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही गर्मी के बीच जंगल की आग ने पर्यावरण को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया है। आग से उठ रहा धुआं अब गांवों की ओर पहुंचने लगा है, जिससे ग्रामीणों को सांस लेने में परेशानी हो रही है। लोगों ने आशंका जताई है कि प्रदूषण बढ़ने से क्षेत्र में कई प्रकार की बीमारियां फैल सकती हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन और वन विभाग से जल्द से जल्द आग पर काबू पाने तथा जंगलों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने की मांग की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं पाया गया तो आने वाले दिनों में और बड़ा नुकसान हो सकता है। लगातार हो रही आगजनी से वन संपदा के साथ-साथ पर्यावरण संतुलन पर भी गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र पंडो जनजाति परिवार बूंद-बूंद पानी को मोहताज

कई महीनों से खराब पड़ा सोलर पंप, प्रशासन की अनदेखी से नदी-नालों का पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

क्यूँ न लिखूँ सच / चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के भाटपारा में मूलभूत सुविधा का संकट, भीषण गर्मी में बढ़ी परेशानी सूरजपुर। जिले के सीमावर्ती चांदनी बिहारपुर क्षेत्र अंतर्गत जनपद पंचायत ओड़गी की ग्राम पंचायत कोल्हुआ के आश्रित ग्राम भाटपारा में रहने वाले राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पंडो जनजाति परिवार आज भी स्वच्छ पेयजल जैसी मूलभूत सुविधा से वंचित हैं। यहां लगभग 50 से 60 घरों की बस्ती निवासरत है, जहां पीने के पानी के लिए लगाया गया सोलर पंप एवं नल-जल योजना कई महीनों से खराब पड़ी हुई है। भीषण गर्मी के इस दौर में ग्रामीणों की स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। ग्रामीणों के अनुसार सोलर पंप खराब होने की जानकारी कई बार पीएचई विभाग एवं क्रेडा विभाग को दी गई, लेकिन जिम्मेदार विभागों द्वारा अब तक कोई सुधार कार्य नहीं कराया गया। हालत यह है कि पंडो जनजाति परिवार नदी-नाला और चौहड़ा का गंदा पानी पीने को मजबूर हैं। गांव की महिलाएं और बच्चे प्रतिदिन दूर-दूर तक पानी लाने के लिए भटक रहे हैं। ओडगी सरपंच संघ के ब्लॉक अध्यक्ष गजमोचन सिंह ने बताया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकार द्वारा पंडो जनजाति के संरक्षण एवं विकास के लिए करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है। उन्होंने कहा कि आजादी के लगभग 79 वर्षों बाद भी आदिवासी परिवारों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध नहीं हो पाना शासन-प्रशासन की बड़ी विफलता है। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ सप्ताह पूर्व मुख्यमंत्री के सूरजपुर जिले के दौरे के दौरान आयोजित सुशासन कार्यक्रम में जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए गए थे कि हर हाल में प्रत्येक घर तक पेयजल पहुंचना चाहिए और किसी भी गांव में पानी की समस्या नहीं रहनी चाहिए। इसके बावजूद चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के भाटपारा में आज भी हालात जस के तस बने हुए हैं, जिससे ग्रामीणों में नाराजगी देखी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि भाटपारा जैसे दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी परिवार आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। एक ओर सरकार आदिवासी उत्थान और विकास के बड़े-बड़े दावे करती है, वहीं दूसरी ओर राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहे जाने वाले पंडो परिवार पानी जैसी जरूरी सुविधा के लिए तरस रहे हैं। स्थानीय लोगों ने जिला प्रशासन, छत्तीसगढ़ शासन एवं सूरजपुर कलेक्टर से मांग की है कि इस गंभीर समस्या का तत्काल समाधान कराया जाए और खराब पड़े सोलर पंप को शीघ्र सुधार कर स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, मंत्री एवं विधायकगण से भी मामले को गंभीरता से लेते हुए त्वरित कार्रवाई कराने की अपील की गई है। ग्रामीणों ने कहा कि पानी हर व्यक्ति का मूल अधिकार है। किसी भी समाज को स्वच्छ पेयजल से वंचित रखना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण और चिंता का विषय है। यदि समय रहते समस्या का समाधान नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में ग्रामीणों को और भी गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ सकता है।

डीएम और एसपी ने किया जिला कारागार का औचक निरीक्षण, परखी सुरक्षा व्यवस्था और सुविधाएं

क्यूँ न लिखूँ सच / पवन कुमार /जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय व पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने आज जिला कारागार का औचक निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था, साफ-सफाई एवं बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही मूलभूत सुविधाओं का गहन जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान बैरकों, रसोईघर, अस्पताल कक्ष, सुरक्षा चौकियों तथा सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था की विस्तार से जांच की।जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि बंदियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप भोजन, स्वच्छ पेयजल, स्वास्थ्य सुविधाएं एवं स्वच्छ वातावरण हर हाल में उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने जेल परिसर में साफ-सफाई बनाए रखने, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण कराने तथा संवेदनशील बंदियों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए।

पुलिस अधीक्षक ने सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि जेल की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नहीं की जाएगी। उन्होंने गेट चेकिंग, मुलाकात व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की सतत निगरानी तथा सुरक्षा कर्मियों की सतर्कता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व राजीव राज नगर मजिस्ट्रेट सुनील कुमार, जेल अधीक्षक नीरज देव, सहित संबंधित अधिकारी एवं कारागार स्टाफ उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

डीएम व एसएसपी ने जिला कारागार का निरीक्षण किया

क्यूँ न लिखूँ सच / जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय,व एसएसपी अंकिता शर्मा ने जिला कारागार बदायूँ का निरीक्षण किया गया । निरीक्षण के दौरान बन्दी बैरकों भोजनालय, चिकित्सालय को चैक किया गया। बंदियों से वार्ता कर सुविधाओं व समस्याओं की जानकारी ली गयी । जेल परिसर के अंदर कोई भी प्रतिबंधित सामग्री ना जाये व साफ-सफाई आदि के सम्बन्ध मे सम्बन्धित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये । जेल अधीक्षक को साफ-सफाई की व्यवस्था बेहतर रखने हेतु निर्देशित किया गया तथा सीसीटीवी कैमरो के संचालन के सम्बन्ध में जानकारी ली गयी । इस दौरान जिला कारागार अधीक्षक व अधि0/ कर्मचारीगण मौजूद रहे

डीएम व एसएसपी ने ज्येष्ठ पूर्णिमा पर्व के अवसर पर अटैना घाट का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच /आज जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय एवं एसएसपी अंकिता शर्मा द्वारा ज्येष्ठ पूर्णिमा पर्व के अवसर पर गंगा स्नान के दृष्टिगत अटैना गंगा घाट का भ्रमण/निरीक्षण किया गया तथा श्रद्धालुओं की सुविधा,सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया एवं निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया गया कि गंगा घाट पर महिला श्रद्धालुओं की सुरक्षा/कानून व्यवस्था के दृष्टिगत सतर्क दृष्टि रखी जाये व श्रद्धालुओं को स्नान के दौरान किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े, श्रद्धालुओं के सुरक्षित आवागमन, पार्किंग/यातायात एवं सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रखने हेतु संबंधित को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये । इस दौरान प्रभारी थाना उसहैत श्री देवेन्द्र कुमार सिंह व अन्य प्रशासनिक अधि0/कर्म0गण मौजूद रहे

अहिल्याबाई होल्कर जयंती समारोह में हंगामा, दरोगा के साथ मारपीट; भारी पुलिस बल तैनात

दरोगा पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से तीन-चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की खबर फैलते ही आयोजन से जुड़े लोग और उनके समर्थक भड़क गए।अलीगढ़ महानगर के सासनी गेट चौराहे पर 31 मई को लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की जयंती समारोह के दौरान उस समय भारी हंगामा खड़ा हो गया, जब ट्रैक्टर से स्टंट करने को लेकर हुए विवाद में कुछ लोगों ने एक दरोगा के साथ मारपीट कर दी। इस झड़प में दरोगा के हाथ में गंभीर चोट आई है। घटना के बाद इलाके में तनाव फैल गया, जिसके बाद भारी पुलिस बल तैनात करना पड़ा।पुलिस के अनुसार, सासनी गेट चौराहे पर अहिल्याबाई होल्कर की जयंती के उपलक्ष्य में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा था। इसी दौरान कार्यक्रम में शामिल कुछ युवक ट्रैक्टर से स्टंट करने लगे।

मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों ने जब सुरक्षा का हवाला देते हुए स्टंटबाज़ी को रोकने का प्रयास किया, तो वहां मौजूद कुछ कार्यकर्ता और युवक पुलिस से उलझ गए। बहस देखते ही देखते इतनी बढ़ गई कि कुछ लोगों ने ड्यूटी पर तैनात दरोगा के साथ मारपीट कर दी।तीन-चार कार्यकर्ता हिरासत में, थाने पर हंगामा- दरोगा पर हमले की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मौके से तीन-चार कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिए जाने की खबर फैलते ही आयोजन से जुड़े लोग और उनके समर्थक भड़क गए और उन्होंने पुलिस प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी और हंगामा शुरू कर दिया।आयोजकों ने पुलिस पर मढ़ा लापरवाही का आरोप- दूसरी ओर, कार्यक्रम के संयोजक जवाहरलाल बघेल ने पुलिस प्रशासन पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पुलिस ने क्षेत्र में यातायात व्यवस्था बनाए रखने में घोर लापरवाही बरती है। पुलिस की इसी सुस्ती और अव्यवस्था के कारण मौके पर हालात बिगड़े और यह पूरा घटनाक्रम हुआ। मौके पर पहुंचे एसपी सिटी, पुलिस साये में कार्यक्रम जारी- मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी सिटी आदित्य बंसल तुरंत भारी पुलिस फोर्स के साथ सासनी गेट चौराहे पर पहुंचे। उन्होंने स्थिति को संभालते हुए हंगामा कर रहे लोगों को शांत कराया। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण शांति बनी हुई है और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में ही कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि दरोगा के साथ मारपीट करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

Are you also mistaking heat stroke for a normal fever? A doctor explains the real difference.

In the summer, people often mistake heat stroke for a normal fever, which can be a serious mistake. The intense sun and soaring temperatures can make life miserable. Elevated body temperatures are common these days, but did you know that sometimes people ignore dangerous heat stroke, thinking it's just a minor fever? Yes, this can be a big mistake. Let's learn from Dr. Sunil Rana, Associate Director and Head of the Department of Internal Medicine at Asian Hospital, the difference between the two and how you can identify them in time. What exactly is a fever? Fever is actually a natural defense mechanism of our body. When a virus, bacteria, or other disease attacks the body, it raises its temperature to fight it. This is when the body temperature rises above the normal 98.6°F (37°C). When you have a fever, you may feel chills, body aches, weakness, and headaches. What is heat stroke? Heat stroke, on the other hand, is not a common illness but a medical emergency. It occurs when you are exposed to intense sunlight or extreme heat for too long, and your body is unable to regulate its temperature. In this situation, the body's cooling system fails, and the temperature rapidly rises to 104°F (40°C) or higher. If not treated promptly, it can cause serious damage to the brain, heart, and other organs. Understand the difference between fever and heat stroke with these 4 symptoms - Although the body becomes hot in both conditions, certain signs can easily distinguish them: Cause of illness: Fever is always caused by an infection or illness, while heat stroke is caused by prolonged exposure to extreme heat and sunlight. Sweating and skin: Fever often causes chills and may also sweat. In heatstroke, the skin becomes extremely hot, red, and dry (however, sweating may occur in heatstroke caused by excessive exertion or exercise). Mental status: In a normal fever, the mind remains fully alert, but in heatstroke, the patient experiences dizziness, confusion, difficulty speaking, restlessness, or even fainting. Rate of temperature rise: In a fever, the body temperature rises gradually, whereas in heatstroke, the body suddenly becomes extremely hot. What is the doctor's warning? Doctors advise that it is not always correct to mistake high fevers in summer for a simple viral infection. They say, "If a person has been in the hot sun and experiences symptoms such as excessive heat, dizziness, confusion, or fainting, it could be heatstroke. In such a situation, it is important to seek immediate medical attention, as delay can be fatal." According to Dr. Rana, the temperature rises in both conditions, but in heatstroke, it becomes out of control. Early detection and immediate cooling of the patient can save lives. If you suspect heat stroke, take these steps immediately. If you notice symptoms of heat stroke in someone, don't panic; instead, take these steps immediately: Immediately take the patient to a cool place or shade. Loosen tight clothing to allow air to circulate. Apply cold compresses to the body or wipe with a damp cloth. Place the patient under a fan or air-cooling/AC. If symptoms appear severe, immediately take them to the hospital. Prevention is the best solution. Doctors advise that to protect yourself in this extreme heat, avoid sun exposure between 12 noon and 4 pm. Drink plenty of water throughout the day and wear light, loose-fitting clothing. Additionally, take special care of children and the elderly during this season, as timely identification and prevention can help prevent serious complications.

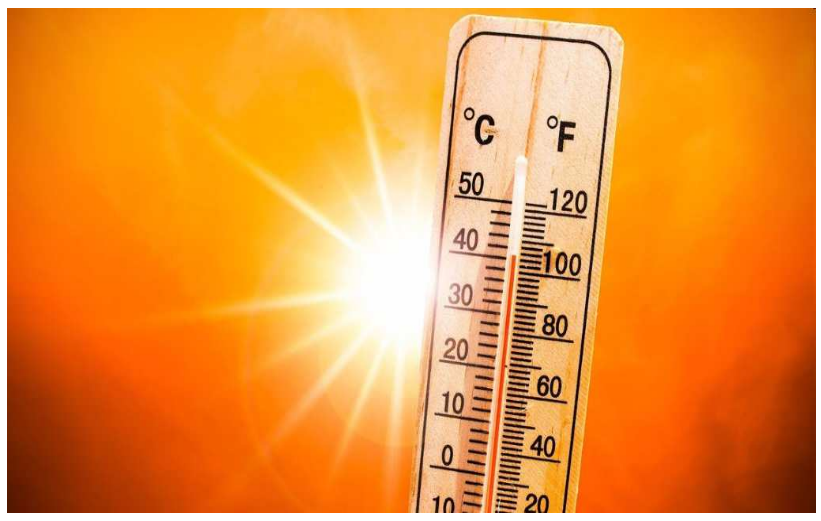

Viral video raises concerns! Chickpeas lose their yellow color after washing; take note of three ways to identify adulteration.

A viral video showing chickpeas oozing yellow color has raised concerns about food adulteration. This article explains the dangers of artificial colors and three ways to identify adulterated pulses and chickpeas. A viral video shows chickpeas oozing yellow color. Artificial colors used for profit are harmful to health - Learn three easy ways to identify adulterated food. To stay healthy, people often eat foods that benefit their health. Pulses and chickpeas are among these, and many people readily incorporate them into their diet. We often buy packaged items from the market with the hope that they will be completely safe for you and your family. However, a video has recently surfaced on social media, which, after watching, will probably make you think twice before buying packaged yellow chickpeas from the market. In fact, in this viral video, a dark yellow color is seen oozing from packaged chickpeas while they are being washed. Since this video surfaced, concerns have once again arisen regarding food adulteration. Today, we'll explain how artificial coloring can be harmful to health and how to identify it. Why are artificial colors dangerous? These days, some shopkeepers use coloring to make pulses, chickpeas, snacks, and spices more vibrant and attractive to profit. Especially in the case of chickpeas and yellow lentils, artificial yellow coloring is used to make even old, lifeless, or poor-quality stock appear fresh and new to customers. Safe food colorings are available in the market, but the pursuit of profit often leads to the rampant use of cheap and dangerous chemicals, which can act as slow poisons for our bodies. Does simply washing with water prevent the danger? Many of us believe that washing anything before eating is beneficial. We think that washing two or three times will remove all the chemicals, but this is a big misconception. Washing with water only removes the color from the surface. In fact, some dangerous chemicals penetrate deep into foods and remain present even after washing. Therefore, consuming these dangerous chemicals unknowingly for a long time can cause serious health problems. How to distinguish between genuine and adulterated food? By being a smart consumer, you can detect adulteration in a few simple ways: Strange shine: If the color of lentils or chickpeas appears excessively bright or too uniform, you should be alert. Genuine grains tend to have a slightly uneven and dull color. Discoloration on hands: If your hands turn yellow when you rub or touch them with dry hands, this is a sure sign of adulteration. Discoloration of water: If the color of the water becomes too yellow or dark while soaking or rinsing, understand that chemicals have been used.

Do you also live amidst noise? It's extremely dangerous for health and can lead to serious illnesses.

We live in a world where noise is almost impossible to avoid. Even if we're accustomed to it, it still impacts our health in many ways. Noise increases stress, increases the risk of high blood pressure, and negatively impacts sleep and hearing. Use earplugs to avoid harmful noise. Every day, we hear countless noises around us, whether from vehicle horns, household appliances, or ongoing construction work. We accept these as part of our daily lives, but did you know that constant exposure to such noise can also make you sick? In this article, we'll explore the significant impact of such seemingly ordinary noise and ways to avoid them. What are its health effects? It can increase stress: When there's noise around us, our body remains in fight-or-flight mode. Cortisol levels and heart rate increase. Risk of high blood pressure: Noise is also linked to high blood pressure. This can increase the risk of heart disease, heart attack, and stroke. Effect on sleep: Even the low noise of music or appliances can interfere with deep sleep. If this continues, you may feel tired and lose focus during the day. Hearing ability: Prolonged exposure to a noisy environment can weaken your hearing. You may experience ringing in the ears or tinnitus. This can also increase the risk of hearing loss. Anxiety and depression: Noise is also linked to problems like anxiety, depression, diabetes, and obesity. Even moderate noise can have a profound effect over time. Avoid harmful noise: To avoid external noise entering the home, you can use curtains, rugs, and sound-absorbing furniture. In case of excessive noise, keep the doors and windows of the house closed. Use low-noise appliances or adjust their settings. The 60/60 rule comes in handy. Keep the volume down by 60 percent and avoid listening to anything for more than 60 minutes at a time. Use over-ear headphones. Keep taking breaks to give your ears rest and recover. This is how you can protect your hearing - Do not forget to use earplugs in noisy places like concerts, playgrounds, airports or noisy workplaces. Wear noise-cancelling earphones. Avoid noisy places like gyms or traffic as much as possible. If there is a sudden loud noise, cover your ears and move to a quiet place. Keep taking frequent breaks from the screen. Practice breathing or relaxation exercises.

A top-rated horror film arrives in India to terrify audiences, but the CBFC cuts a crucial 38-second scene; audiences are angry.

The censor board has cut the highest-rated horror film, Obsession. People are upset over the cuts to the A-certified film. Obsession, the highest-rated Hollywood horror film of 2026, was released in India, a film Indian with an A certificate, but audiences Obsession's major scenes. Yes, the scenes from Obsession, despite the film, and audiences are upset by the from the film - Curry Barker's film originally 1 hour 50 minutes long, but Board removed two scenes from the intimate scene. The film received an have been added to Obsession, and on the scenes. The most significant scene was too violent, which led to the removed. The film reached Indian Censor Board—the Censor Board's watching the film on X handles are rated Hollywood film has made it problem with the CBFC? The CBFC certificate. What's the point of giving the film? First with Superman, then

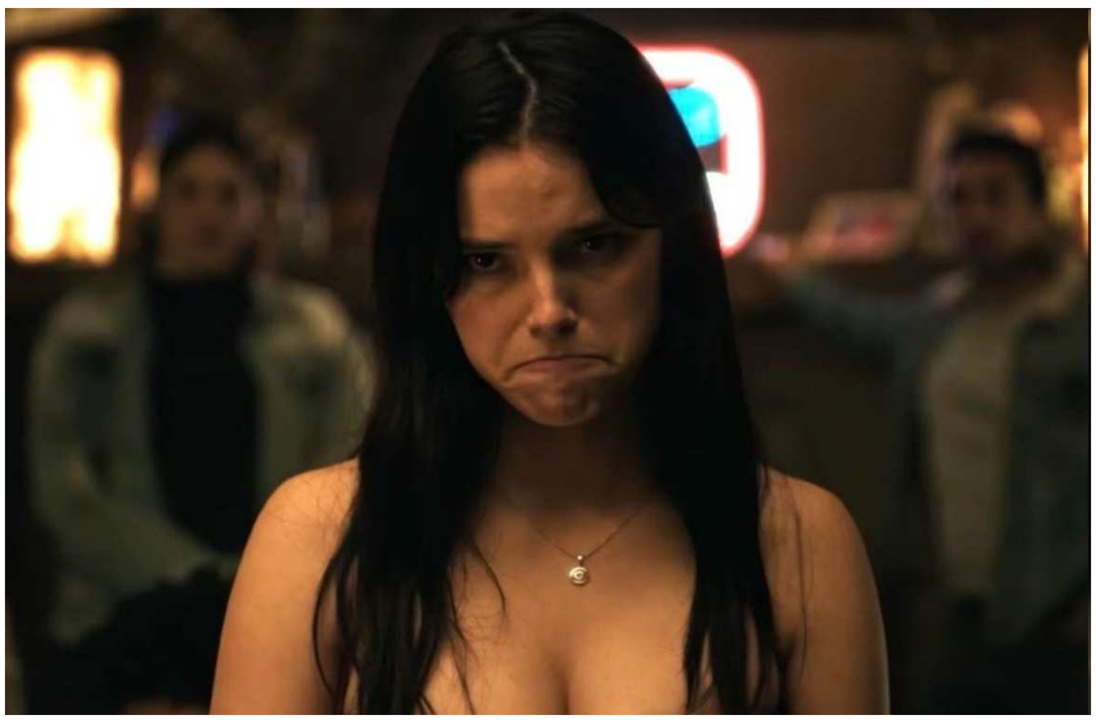

audiences had been waiting for. The film arrived on the big screen were disappointed. The biggest reason for this is the cuts to Central Board of Film Certification (CBFC) cut two major film having an A certificate. Obsession is a highly popular horror CBFC's removal of these scenes. Two major scenes removed Obsession was released in India on May 29th. The film was was released in India with a 38-second reduction. The Censor film—one involving extreme violence and the other involving an A certificate. Anti-smoking and anti-tobacco health messages anti-alcohol and anti-smoking messages have been superimposed change to the film is 24 seconds. According to the CBFC, this cuts. A 14-second scene depicting sexual activity was also theaters only after these cuts. Audiences expressed anger at the decision did not go down well with the audience. Viewers claiming that removing violence and intimate scenes from the A-difficult to understand the story. One user said, "What's the has cut 38 seconds of footage from the film and given it an 'A' an 'A' certificate if you have to cut and mute some scenes from with the Dhurandhar franchise and now with Obsession. The CBFC thinks adults are too foolish to watch horror films in packed theatres. This is too much interference." Similarly, many people are venting their anger on the censor board on social media.

Divyanka Tripathi's twins were given a grand welcome at home, with the first glimpse of their sons revealed.

TV actress Divyanka Tripathi became a mother to twin sons on May 26th and has now been discharged from the hospital. Accompanied by husband Vivek Dahiya and family, she interacted with the paps and actress Divyanka Tripathi gave birth to twin sons. The now been discharged from the upon meeting the paps. the hospital holding their little Vivek's family were also with who have been married for 10 March this year. Divyanka's now that they have welcomed are overjoyed. In the viral removed the evil eye from both Divyanka came out and decorated the car with flowers Divyanka also joked with the offer going on at the hospital - everyone started laughing. mothers after 10 years of popular television show "Yeh which started as friendship, married on July 8, 2016, in

received a grand welcome home. TV became a mother on May 26th. She actress underwent a C-section and has hospital. She also expressed her joy Divyanka and Vivek were seen leaving ones in their arms. Divyanka and them during the ceremony. The couple, years, announced their pregnancy in mother-in-law removed the evil eye - their twin sons, their family and fans video, Divyanka's mother-in-law children and then performed aarti. interacted with the paparazzi. She had to welcome her sons. While coming out, paparazzi. She said, "There was an one for one free." Hearing this, Divyanka and Vivek, who became marriage, first met on the set of the Hai Mohabbatein." Their relationship, gradually blossomed into love. They Bhopal, in the presence of family members and close friends. Over the past few years, the couple has become one of television's most beloved celebrity couples, often winning fans' hearts with their loving relationship and social media posts.

"Ranveer Singh provides employment to lakhs..." Ram Gopal Varma jumped into the Don 3 controversy, saying, "Ban FWICE."

Ram Gopal Varma has come out in support of Ranveer Singh after his exit from Farhan Akhtar's film "Don 3." Ranveer Singh found himself in hot water after his exit from Farhan Akhtar's film "Don 3." Following a Sidhwani of Excel Entertainment, the Employees (FWICE) issued a "non-Ranveer. Ram Gopal demanded a a "shadow-ban" on Ranveer, to work with him until he resolves his "Don 3." Meanwhile, Ram Gopal Singh and demanded a ban on note on social media, reacting (formerly X), Ram Gopal Varma Ranveer Singh. The director further non-cooperation would ultimately federation. He stated that the power by an outdated union system maintain its hold. The filmmaker on whose behalf FWICE claims to underlying facts of the ongoing producers of "Don 3." Varma is neither a court nor a government-Calling it a "kangaroo court"—one the Bollywood director alleged that legal rules, due process, and fairness. millions—he wrote on X, "Now we everyone knows in their hearts—both case, FWICE—that if Ranveer Singh

complaint from Farhan and Ritesh Federation of Western India Cine cooperation" directive against ban on FWICE. FWICE imposed instructing the entire industry not ongoing dispute with the makers of Varma has supported Ranveer FWICE. The filmmaker shared a strongly to the matter. On Twitter demanded a ban on FWICE, not stated that this "so-called ban" or become a "huge joke" for the federation is merely a show of that is "desperately" trying to alleged that the millions of workers, speak, are unaware of the dispute between Ranveer and the further claimed that the federation authorized regulatory body. that pretends to dispense justice—FWICE "disregards" established Stars like Ranveer employ come to the main point that the company in question, and in this simply nods 'yes,' tomorrow morning there will be a kilometer-long line of producers outside his house, checks ready." Ram firmly believes that stars like the "Dhurandhar 2" actor create jobs for millions of FWICE employees, and that it's because of these actors that the industry exists. Ranveer Singh's work front—Meanwhile, on the work front, Ranveer was last seen in Aditya Dhar's "Dhurandhar 2." The actor reprises his role as Hamza Ali Mazari/Jaskirat Singh Rangi in this spy thriller. Produced by JioStudios and Aditya Dhar Films, the film was released in theaters on March 19. The "Raw and Undekhi" version of "Dhurandhar 2" will stream on JioHotstar on June 5. Next, he will be seen in "Pralay," a film directed by Jay Mehta, son of Bollywood actor Hansal Mehta. However, an official announcement is still awaited.